MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-230

# RSS को बैन करो!

## भागवत दौरे से पहले अमेरिकी आयोग की माँग

**नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग, अर्थात यूएससीआईआरएफ, ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस नेताओं को राजनयिक सम्मान नहीं देने और उनके साथ उच्चस्तरीय बैठकें नहीं करने की भी सिफारिश की है।

आयोग के अध्यक्ष आसिफ महमूद ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के सदस्य रहे हैं और संघ से जुड़े संगठनों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों के आरोप लगाए गए हैं।

पाकिस्तानी मूल के महमूद का यह बयान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित विदेश दौरे से कुछ दिन पहले आया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भागवत 25 अगस्त से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के दौरे पर जाएंगे।

भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग के यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशंस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

भागवत इससे पहले सितंबर 2018 में अमेरिका गए थे और शिकागो में विश्व हिंदू कांग्रेस को संबोधित किया था। उपलब्ध रिपोर्टों में उस दौरे के दौरान उनकी किसी अमेरिकी राजनयिक से मुलाकात या औपचारिक राजनयिक सम्मान का उल्लेख नहीं मिलता।

### *आरएसएस और 'रॉ' पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश भी कर चुका*

मार्च 2026 में यूएससीआईआरएफ की वार्षिक रिपोर्ट में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के कथित उल्लंघनों की आलोचना की गई थी। रिपोर्ट में आरएसएस, भारत की बाह्य खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) तथा कुछ व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी।भारत ने उस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा था कि यूएससीआईआरएफ संदिग्ध स्रोतों और वैचारिक सोच के आधार पर लगातार देश की छवि खराब करने का प्रयास करता है।16 मार्च को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारत की चुनिंदा आलोचना करने के बजाय यूएससीआईआरएफ को अमेरिका में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं पर भी ध्यान देना चाहिए।

**आयोग के आयुक्त बोले- आरएसएस नेताओं को सम्मान न मिले**

यूएससीआईआरएफ के आयुक्त जीन मिल्स ने कहा कि अमेरिकी सरकार को धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराए गए आरएसएस सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने के विकल्प पर विचार करना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख के प्रस्तावित विदेश दौरे से पहले अमेरिकी आयोग की सिफारिशों ने एक बार फिर धार्मिक स्वतंत्रता और भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर बहस तेज कर दी है। कनाडा के 100 से ज्यादा संगठनों ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित दौरे का समर्थन किया है। इन संगठनों ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मंत्रियों को पत्र लिखकर भागवत को कनाडा आने से रोकने की मांगों को खारिज करने की अपील की। संगठनों का कहना है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले पुख्ता और स्वतंत्र सबूत होने चाहिए तथा कानून के अनुसार पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

**भारत को विशेष चिंता वाले देश की सूची में शामिल करने की सिफारिश**

यूएससीआईआरएफ कई बार भारत को विशेष चिंता का देश घोषित करने की सिफारिश कर चुका है।

आयोग ने पहली बार वर्ष 2004 में ऐसी सिफारिश की थी और वर्ष 2020 में इसे दोहराया। ▶8पर

# माधापुर हादसे में बड़ा ट्वीस्ट कार चालक सांसद का बेटा

**ओमप्रकाश सिरवी**
**हैदराबाद, 20 अगस्त।**

माधापुर स्थित इनऑर्बिट मॉल के बाहर 16 अगस्त को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने अब बड़ा राजनीतिक मोड़ ले लिया है। दोपहर करीब 3 बजे सड़क पार कर रही 26 वर्षीय सेल्स गर्ल भारती मुखी को कथित तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसा इतना भीषण था कि भारती गंभीर रूप से घायल हो गईं और इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी।

भारती इनऑर्बिट मॉल स्थित लाइफस्टाइल स्टोर में सेल्स गर्ल के रूप में काम करती थीं। बताया गया कि दोपहर के भोजन के बाद वह वापस अपनी ड्यूटी पर लौट रही थीं। इसी दौरान सड़क पार करते समय कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद भारती के सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मामले की जांच आगे बढ़ी तो हादसे में इस्तेमाल कार और उसके चालक को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, कार का नंबर टीजी-09-जी-0666 है और इसे चला रहे व्यक्ति की पहचान आंध्र प्रदेश के जनसेना पार्टी के राज्यसभा सांसद लिंगमनेनी रमेश के बेटे लिंगमनेनी संजुष के रूप में हुई है।

यानी सड़क पर एक आम परिवार की 26 वर्षीय युवती की जान गई और हादसे में आरोपी के रूप में जिस व्यक्ति का नाम सामने आया, वह सीधे एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से जुड़ा निकला। यही वजह है कि इस मामले ने अब सामान्य सड़क हादसे की सीमा से बाहर निकलकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस ने लिंगमनेनी संजुष के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा लापरवाही या उतावलेपन से किए गए कृत्य के कारण किसी व्यक्ति की मौत से संबंधित है। पुलिस ने 20 अगस्त को संजुष को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। अब सवाल सिर्फ एक सड़क हादसे का नहीं है। सवाल यह है कि आखिर हादसे के वक्त कार की रफ्तार कितनी थी? चालक की लापरवाही किस स्तर की थी? ▶8पर

# जैसे को तैसा जवाब!

## पाक उच्चायोग के बाहर बुलडोजर एक्शन

**नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** भारत ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग को उपलब्ध कराई गई बाहरी सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव करते हुए उच्चायोग के बाहर लगे यातायात अवरोधक और बैरिकेड्स को बुलडोजर की मदद से हटा दिया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर लगाए गए पार्किंग पोल हटाए जाने के ठीक तीन दिन बाद हुई है। ऐसे में भारत के इस कदम को पाकिस्तान की कार्रवाई का सीधा और कड़ा जवाब माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। दोनों देशों के बीच बढ़ा सैन्य तनाव 10 मई को हुए युद्धविराम के बाद कुछ हद तक थमा था।

पाकिस्तान की ओर से पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर पार्किंग पोल हटाए गए थे। इसके तीन दिन बाद भारत में भी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर लगे यातायात अवरोधक और बैरिकेड्स हटाए गए। इस घटनाक्रम को दोनों देशों के बीच चल रही कूटनीतिक तनातनी के एक और संकेत के रूप में देखा जा रहा है। ▶8पर

### *अयोध्या चढ़ावाकांड*

# चंपत की चिट्ठी में A to Z

**लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली से जुड़े विवाद के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की नौ पेज की एक चिट्ठी सामने आई है। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद ट्रस्ट को क्लीन चिट मिलने की चर्चा के बीच लिखी गई इस चिट्ठी में चंपत राय ने मंदिर की व्यवस्थाओं, आर्थिक पारदर्शिता और निर्माण से जुड़े फैसलों को लेकर कई अहम जानकारियां दी हैं।

**दर्शन, आरती पास और प्रसाद सभी निःशुल्क**

चंपत राय ने चिट्ठी में लिखा है कि ट्रस्ट की सभी सेवाएं, जैसे दर्शन पास, आरती पास और प्रसाद, निःशुल्क हैं। मंदिर के अर्चक मुख्य रूप से पूजा-पाठ, वेद, रामायण और अन्य धार्मिक सेवाओं में लगे रहते हैं। श्रद्धालुओं से पूजा कराने या दक्षिणा लेने की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने दावा किया कि ट्रस्ट के तीन बैंक खातों में धनराशि रखी जाती है और इनमें से किसी के लिए चेकबुक नहीं ली गई है। सभी भुगतान ऑनलाइन आरटीजीएस के माध्यम से किए जाते हैं।

चंपत राय के अनुसार, ट्रस्ट के खातों का आंतरिक और वैधानिक ऑडिट अलग-अलग ऑडिट फर्मों से कराया जाता है। उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर, स्रोत पर कर कटौती, स्टांप शुल्क, श्रम उपकर, भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा सहित सभी सरकारी कर एवं देय राशि जमा की जाती है।

**श्रद्धालुओं के लिए कई सुविधाओं का दावा**

चिट्ठी में श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी उल्लेख किया गया है। इसके मुताबिक मंदिर के हर निकास मार्ग पर मुफ्त प्रसाद दिया जाता है।

भीड़ अधिक होने की स्थिति में सामान्य दर्शन में अधिकतम करीब दो घंटे का समय लगने का दावा किया गया है। बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार लोगों और गर्भवती महिलाओं के लिए मुफ्त सुगम दर्शन पास तथा व्हीलचेयर की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करने की बात कही है।

**मंदिर निर्माण का फैसला कैसे हुआ?**

चंपत राय के मुताबिक, वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ। इसके बाद केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया। ट्रस्ट में कुल 15 ट्रस्टियों की व्यवस्था की गई।

उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के रूप में नृपेन्द्र मिश्रा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। मंदिर निर्माण से जुड़े प्रमुख फैसले इसी समिति में लिए जाते थे। चंपत राय के अनुसार, समिति की बैठक सामान्य तौर पर हर महीने होती थी और कुछ समय में 15 दिन के अंतराल पर भी बैठकें आयोजित की जाती थीं।

**एलएंडटी और टाटा को कैसे चुना गया?**

चिट्ठी में कहा गया है कि स्वर्गीय अशोक सिंहल के पुराने सुझावों के आधार पर लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को मंदिर निर्माण के लिए चुना गया। वहीं, परियोजना प्रबंधन सलाहकार के तौर पर टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई) को जिम्मेदारी दी गई। मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा का चयन अशोक सिंहल ने वर्ष 1986 में किया था और आगे भी मंदिर की वास्तु संबंधी जिम्मेदारी उन्हीं को दी गई। अन्य भवनों के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट नामक फर्म को चुना गया।

**निर्माण समिति के फैसलों पर चंपत राय का दावा**

चंपत राय ने चिट्ठी में लिखा कि मंदिर निर्माण से जुड़े ज्यादातर फैसलों में नृपेन्द्र मिश्रा की मुख्य भूमिका रही। उनके मुताबिक, निर्माण से संबंधित कोई भी ऐसा कार्य नहीं हुआ, जिसका फैसला निर्माण समिति में न लिया गया हो। ▶8पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 24°

### *लखनऊ में सनसनी*

# पत्नी और बहन को भूना, फिर आत्महत्या

**लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** लखनऊ के गोमतीनगर में गुरुवार को हुए दोहरे हत्याकांड और आत्महत्या के मामले में देर रात सनसनीखेज सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में आरोपी पति मानस बाजपेई अपनी पत्नी दिव्या मिश्रा को बैंक के बाहर रोकता और उसके साथ मारपीट करता नजर आ रहा है। इसके बाद उसने पत्नी को गोली मार दी। सीसीटीवी फुटेज में दिव्या बैंक के अंदर जाती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी दौरान मानस उन्हें रोकता है। दोनों के बीच कुछ देर तक विवाद होता है और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच जाता है। फुटेज में मानस कथित तौर पर दिव्या के साथ मारपीट करता दिखाई दे रहा है। दोनों के बीच मारपीट होते देख बैंक का सुरक्षा गार्ड और वहां मौजूद अन्य कर्मचारी तुरंत उनकी ओर दौड़ते हैं और दिव्या को बचाने की कोशिश करते हैं। पुलिस के लिए यह फुटेज जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है।

पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात से पहले दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी और विवाद किस वजह से इतना बढ़ गया।

**पहले पत्नी की हत्या, फिर बहन को मारी गोली**

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, गोमतीनगर में भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ सहायक प्रबंधक मानस बाजपेई ने पारिवारिक रंजिश और पत्नी द्वारा धोखा देने के शक में अपनी पत्नी दिव्या मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। दिव्या एक निजी बैंक में संबंध प्रबंधक के पद पर कार्यरत थीं। मानस ने बैंक के बाहर पहुंचकर उन्हें दो गोलियां मारीं।

पत्नी की हत्या के बाद मानस ऑटो से अपने घर पहुंचा। वहां उसने अपनी बीमार बहन को गोली मार दी और इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने घटनास्थल से तीन हथियार बरामद किए हैं। पुलिस अब इन हथियारों और मिले कारतूसों की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि मानस और दिव्या के बीच करीब एक वर्ष से वैवाहिक विवाद चल रहा था और ▶8पर

# कांग्रेसी सज्जन का निधन

## तिहाड़ में काट रहे थे उम्रकैद की सजा

**नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** कांग्रेस के पूर्व सांसद और नेता सज्जन कुमार का गुरुवार को निधन हो गया। सफदरजंग अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, उन्हें दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। सज्जन कुमार के निधन की खबर मिलते ही उनके बेटे जग प्रवेश कुमार सफदरजंग अस्पताल पहुंचे। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद दिल्ली की तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। वह लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी जूझ रहे थे।

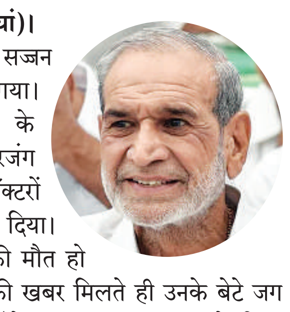

सज्जन कुमार दिल्ली के प्रभावशाली कांग्रेस नेताओं और पूर्व सांसदों में शामिल रहे। उनका जन्म 23 सितंबर 1945 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने 1970 के दशक में राजनीति की शुरुआत की। इसके बाद वह दिल्ली नगर निगम के पार्षद बने और आगे चलकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव का पद संभाला। ▶8पर

# चीन ने पहली बार रॉकेट का बूस्टर जमीन पर उतारा

**पुनः इस्तेमाल की दिशा में बड़ी सफलता**

बीजिंग

**चीन ने अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार अपने एक राकेट के पहले चरण को नियंत्रित तरीके से जमीन पर वापस उतारने में सफलता हासिल की है।**

लान्च किए गए झूके-3 राकेट का बूस्टर पेलोड को कक्षा में पहुंचाने के बाद अलग हुआ और निर्धारित क्षेत्र में सफलतापूर्वक वापस लैंड कर गया। इस तकनीक से भविष्य में राकेट के पहले चरण को दोबारा इस्तेमाल करना संभव होगा, जिससे अंतरिक्ष अभियानों की लागत घटाने में मदद मिल सकती है।

लैंडस्पेस का झूके-3 राकेट उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान सैटेलाइट लान्च सेंटर से रवाना हुआ। मिशन के दौरान पहला चरण अलग होने के बाद बूस्टर ने अपने इंजन और नियंत्रण प्रणाली की मदद से गति कम की और निर्धारित लैंडिंग क्षेत्र की ओर बढ़ा। इसके बाद राकेट के लैंडिंग लेग खुले और बूस्टर ने लगभग सीधी स्थिति में जमीन पर सफल लैंडिंग की। यह लैंडिंग लान्च स्थल से करीब 390 किलोमीटर दूर गांसू प्रांत में तय स्थान पर हुई। चीन पहले भी राकेट के हिस्से को वापस हासिल कर चुका है, लेकिन उस दौरान समुद्र में विशेष नेट-कैप्चर प्रणाली का इस्तेमाल किया गया था। झूके-3 की उपलब्धि इसलिए अलग है क्योंकि इसमें बूस्टर ने लैंडिंग लेग्स के सहारे सीधे जमीन पर नियंत्रित वर्टिकल लैंडिंग की। यह तकनीक पुन: इस्तेमाल होने वाले राकेटों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। राकेट का पहला चरण सबसे महंगे हिस्सों में शामिल होता है। हर लान्च के बाद इसे दोबारा तैयार करने की जरूरत खत्म होने पर मिशन की लागत और लान्च के बीच का समय दोनों कम किए जा सकते हैं। इस सफलता के बाद चीन पुन: इस्तेमाल होने वाले राकेटों की तकनीक में तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है।

चीन जल्द ही अपने अगले रोबोटिक चंद्र अभियान चांग ई-7 को भी रवाना करने की तैयारी में है। मिशन का प्रमुख उद्देश्य चांद पर पानी और उससे जुड़े संभावित संकेतों की खोज करना है। अभियान में आर्बिटर समेत कई उपकरण शामिल होंगे, जो चांद की सतह और वातावरण से संबंधित जानकारी जुटाएंगे। चीन की यह प्रगति पुन: इस्तेमाल होने वाले राकेटों के क्षेत्र में मौजूदा तकनीकी बढ़त को चुनौती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसी बीच चांद पर हालिया एक अन्य घटना भी चर्चा में है। एक राकेट के ऊपरी हिस्से के चांद की सतह से टकराने के बाद वहां करीब 60 फीट चौड़ा गड्ढा बनने की तस्वीरें सामने आई हैं। टक्कर के समय मलबे की गति करीब 8,700 किलोमीटर प्रति घंटे बताई गई थी।

## न्यूज ब्रीफ

### आतंकियों को लेकर चीन-पाकिस्तान को भारत ने दिया कड़ा संदेश

**जिनेवा।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर चीन और पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली पर आयोजित चर्चा में भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को संकीर्ण राजनीतिक हित साधने का मंच नहीं बनने दिया जाना चाहिए। साथ ही आतंकवादियों की सूची तैयार करने और उन्हें प्रतिबंध सूची से हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की। संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रतिनिधि योजना पटेल ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता का इस्तेमाल आतंकवादियों को प्रतिबंध सूची से हटाकर उन्हें वैधता दिलाने या केवल राजनीतिक विचारों के आधार पर किसी संगठन को आतंकी घोषित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकियों की लिस्टिंग की प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप बंद होना चाहिए। भारत का यह बयान चीन के उस रुख की ओर संकेत करता है, जिसके तहत वह पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के नेताओं को वैश्विक आतंकी घोषित करने से जुड़े प्रस्तावों पर रोक लगाता रहा है। चीन सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और उसके पास तकनीकी रोक लगाने की शक्ति है। भारत लंबे समय से इस व्यवस्था के राजनीतिक इस्तेमाल पर आपत्ति जताता रहा है। सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग भारत ने चर्चा के दौरान सुरक्षा परिषद की संरचना में व्यापक सुधार की जरूरत भी दोहराई। भारत ने कहा कि 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी व्यवस्था आज की वैश्विक वास्तविकताओं को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करती। पिछले 80 वर्षों में संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता करीब चार गुना बढ़ चुकी है, इसलिए सुरक्षा परिषद में मौजूदा प्रतिनिधित्व व्यवस्था पर पुनर्विचार जरूरी है।भारत ने स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में अधिक देशों को शामिल करने की मांग की। खास तौर पर विकासशील देशों और ग्लोबल साउथ को बेहतर प्रतिनिधित्व देने पर जोर दिया गया।

### अमेरिका में 2025 में 189 सिख विरोधी और 32 हिंदू विरोधी हेट क्राइम के मामले दर्ज

**वाशिंगटन।** अमेरिका की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 2025 में सिख विरोधी हेट क्राइम के 189 और हिंदू विरोधी हेट क्राइम के 32 मामले दर्ज किए हैं। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की रिपोर्ट में दावा किया गया है। एफबीआई की वार्षिक रिपोर्ट में धार्मिक, नस्लीय, जातीय और अन्य प्रकार के पूर्वाग्रहों से प्रेरित घृणा अपराधों का विस्तृत विवरण दिया गया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एकल-भेदभावपूर्ण धार्मिक घृणा अपराधों के 2,703 मामले दर्ज किए हैं। इनमें से 7 फीसदी अपराध सिख-विरोधी पूर्वाग्रह से संबंधित थे, जो करीब 189 मामलों के बराबर है। हिंदू-विरोधी पूर्वाग्रह के कारण 1.2 फीसदी यानी करीब 32 अपराध हुए। धार्मिक घृणा अपराधों में यहूदी-विरोधी पूर्वाग्रह का हिस्सा 62.3 फीसदी था, जो सबसे बड़ा हिस्सा है। इस्लाम-विरोधी या मुस्लिम-विरोधी पूर्वाग्रह का हिस्सा 9.6 फीसदी था, इसके बाद सिख विरोधी पूर्वाग्रह का हिस्सा 7 फीसदी था। एफबीआई ने पीड़ितों की अलग से संख्या भी बताई। धार्मिक घृणा अपराधों के 2,798 पीड़ितों में से 6.9 फीसदी करीब 193 सिख विरोधी पूर्वाग्रह के शिकार थे। हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह के मामले 1.2 फीसदी थे, जो 34 पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

### मीठे फल और शहद से विकसित हुआ था पूर्वजों का दिमागः शोध

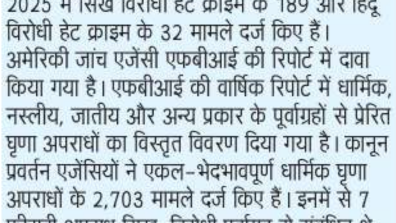

**सिडनी।** हमारे पूर्वजों का दिमाग मांस से नहीं, बल्कि मीठे फल और शहद जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थों से विकसित हुआ था। ताजा अध्ययन ने दुनियाभर के विशेषज्ञों को चौंका दिया है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों की पूर्व की धारणा कि इंसानी दिमाग का विकास मांस खाने से हुआ, अब इस रिसर्च ने पूरी तरह से बदल दी है। सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि दिमाग को काम करने के लिए भारी मात्रा में ग्लूकोज की आवश्यकता होती है, जो कच्चे स्टार्च से नहीं मिलता। इसलिए शुरुआती इंसानों ने ऊर्जा के लिए मीठे फलों और शहद पर सबसे ज्यादा निर्भर रहना शुरू किया, और इसी शुगर ने हमारे पूर्वजों को बुद्धिमान इंसान बनने में सबसे बड़ी मदद की। सिडनी यूनिवर्सिटी की प्रमुख शोधकर्ता जेनी ब्रांड-मिलर ने बताया कि इंसानी दिमाग अपने शरीर के आकार के हिसाब से बहुत बड़ा होता है और इसे लगातार काफी ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने पिछले 40 लाख सालों के इतिहास का गहन विश्लेषण किया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती मानव, जिन्हें होमो अफारेंसिस या लूसी कहा जाता था।

# दम्माम में 'इंडिया एट 80' स्वतंत्रता दिवस समारोह में उमड़ा जनसैलाब

दम्माम, सऊदी अरब। इंडियन ओवरसीज फोरम (आईओएफ) ने लुलु मॉल दम्माम के सहयोग से भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'इंडिया एट 80' नामक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 3,000 से अधिक भारतीयों और समुदाय के लोगों ने भाग लेकर देशभक्ति, भारतीय संस्कृति, सामुदायिक एकता तथा भारत-सऊदी अरब मैत्री का शानदार संदेश दिया।

दम्माम में आईओएफ द्वारा आयोजित यह लगातार दूसरा स्वतंत्रता दिवस समारोह था। वर्ष 2025 में आयोजित पहले बड़े कार्यक्रम की सफलता के बाद इस वर्ष भी पूर्वी प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में परिवारों और समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

कार्यक्रम में भारतीय दूतावास, रियाद के सामुदायिक कल्याण परामर्शदाता वाई. सबीर, मानव संसाधन एवं सामाजिक विकास मंत्रालय के सहायक महानिदेशक मंसूर अल-बिनाली, सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन के निदेशक अब्दुलरहमान अल-जोहानी, गौरी शंकर पारीख, विभिन्न सामुदायिक नेता, व्यापारी प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

लुलु प्रबंधन की ओर से लुलु ईस्टर्न प्रोविंस के क्षेत्रीय निदेशक शम्नास पल्लीकंडी तथा वाणिज्यिक प्रबंधक हसीफ हकीम ने भाग लिया। इस अवसर पर विशाल सामुदायिक कार्यक्रम के आयोजन में लुलु मॉल के सक्रिय सहयोग की सराहना की गई।

आईओएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र भंगाले, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुमेश चेरुवत्तूर, ईस्टर्न प्रोविंस की नेतृत्व टीम, सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ पहले सऊदी अरब के राष्ट्रगान और उसके बाद भारत के राष्ट्रगान से हुआ। इसके पश्चात भारत की विविध संस्कृति, विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों की झलक प्रस्तुत करने वाले देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में वंदे मातरम् की विशेष प्रस्तुति भी दी गई।

बच्चों, युवाओं और महिलाओं को कार्यक्रम में विशेष महत्व दिया गया। बच्चों के लिए रंग भरने की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जबकि युवाओं के लिए 'विकसित भारत चुनौती' के माध्यम से उन्हें भारत के भविष्य को लेकर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

महिलाओं के लिए 'नारी शक्ति-वॉयसेस ऑफ इंडिया एट 2047' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक देश के भविष्य को लेकर अपनी आकांक्षाएं और विचार व्यक्त करने का मंच मिला।

'भारत की यात्रा' शीर्षक से भारत के विकास, प्रगति और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी एवं दृश्य प्रस्तुतियां भी लगाई गईं। विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भारत की 'विविधता में एकता' की भावना को जीवंत कर दिया।

इस अवसर पर वाई. सबीर ने विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीयों को अपनी संस्कृति और मूल्यों से जुड़े रहते हुए सऊदी समाज के विकास में सकारात्मक योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की सेवाएं और दोनों देशों के लोगों के बीच बढ़ते संबंध भारत-सऊदी अरब मैत्री को और मजबूत बना रहे हैं।

आईओएफ ईस्टर्न प्रोविंस के अध्यक्ष अनिल मल्पानी ने कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक एकता को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा, एक भारत, एक समुदाय की भावना के तहत भले ही लोग अलग-अलग राज्यों से आए हों, विभिन्न भाषाएं बोलते हों और अलग-अलग व्यवसायों से जुड़े हों, लेकिन सभी एक ही भारतीय समुदाय का हिस्सा हैं। सेवा, संस्कृति और सहभागिता के माध्यम से परिवारों, युवाओं, महिलाओं, पेशेवरों, श्रमिकों, सामुदायिक संस्थाओं और स्वयंसेवकों को एक मंच पर लाना आईओएफ का उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि आईओएफ की गतिविधियां केवल बड़े आयोजनों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामुदायिक कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी, रोजगार एवं पेशेवर सहयोग, स्वयंसेवा और सामुदायिक विकास जैसे अनेक क्षेत्रों में लगातार कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर आईओएफ साथी कार्ड भी शुरू किया गया। इसके माध्यम से व्यक्तियों और परिवारों को आपातकालीन सहायता, रक्तदाता नेटवर्क, स्वयंसेवा के अवसर, कल्याणकारी योजनाओं और अन्य सामुदायिक सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में आईओएफ सेवा रत्न पुरस्कार भी शामिल रहे। ये सम्मान मंसूर अल-बिनाली, वाई. सबीर और गौरी शंकर पारीख को समुदाय के प्रति उनकी सेवाओं, सहयोग और योगदान के लिए प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की सफलता में आतिथ्य, स्वागत, मंच समन्वय, प्रतियोगिताओं, जनसमूह प्रबंधन, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, मीडिया और व्यवस्थाओं से जुड़े बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभिन्न सहयोगी संस्थाओं और प्रायोजकों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

भारतीयों और सऊदी प्रतिनिधियों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी वाले इस दूसरे आईओएफ स्वतंत्रता दिवस समारोह ने केवल उत्सव ही नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश भी दिया

एक भारत, एक समुदाय ' सेवा से एकता और भारत-सऊदी अरब की मित्रता से और अधिक मजबूती।

### अमेरिकी सेना भारत की राह परः के-9 तोप लेगी एम777 की जगह

**वाशिंगटन।** यूक्रेन युद्ध से सबक लेकर और चीन से बढ़ते खतरे के बीच, अमेरिकी सेना दक्षिण कोरिया से उन्नत के9 मोबाइल हावित्जर तोप खरीदने की तैयारी में है। इस कदम का उद्देश्य अपनी मौजूदा एम777 टो की जाने वाली तोपखाना प्रणाली को एक नई, अधिक सक्षम पहिएदार 155 मिमी की स्व-चालित तोप से बदलना है। दक्षिण कोरियाई कंपनी हानव्हा डिफेंस द्वारा निर्मित के9 थंडर हावित्जर से अमेरिकी सेना की लंबी दूरी की मारक क्षमता और युद्धक्षेत्र में गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती है। भारत सहित कई देशों द्वारा पहले से ही इस्तेमाल हो रही यह तोप, भारत में वज्र के नाम से जाना जाता है, दुनिया भर में जमीनी युद्ध अभियानों में अत्यधिक प्रभावी साबित हुई है। अपने मोबाइल टैक्टिकल कैनन प्रोग्राम के तहत, अमेरिकी सेना ने गहन मूल्यांकन के लिए के9 तोप का चयन किया है। हानव्हा डिफेंस 155 मिमी के-9 हावित्जर के 18 प्रोटोटाइप चार साल की व्यापक परीक्षण अवधि के लिए प्रदान करेगा। यदि ये परीक्षण सफल साबित होते हैं, तब के9 को सेना की लंबी दूरी की मारक क्षमता को मजबूत करने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनाया जाएगा, और पुराने एम777 की जगह ले ली जाएगी।

# रियाद में तेलुगु चालक लक्ष्मीनारायण का निधन

रियाद (सऊदी अरब)। अन्नमय्या जिले के रामापुरम निवासी बी. लक्ष्मीनारायण, जो लगभग छह महीने पहले ड्राइवर के रूप में सऊदी अरब आए थे, पिछले एक महीने से मौत से जूझते हुए रियाद के किंग फहद मेडिकल सिटी अस्पताल में अंतिम सांस ले ली। उन्हें छाती में तेज दर्द के बाद भर्ती कराया गया था।

जांच में दिल की तीन नसों में लगभग 90 प्रतिशत ब्लॉकेज पाया गया। सर्जरी के बाद किडनी फेल हो गई और वे कोमा में चले गए। इलाज के बावजूद वे नहीं बच सके।

एसएटीए, टीएएसए, जीटीओ और जीआईओ के प्रतिनिधियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग आधिकारिक पार्टी नेता या एपीएनआरटीएस से जुड़े होने का दावा करते हुए मदद करने वालों को धमका रहे थे और व्यक्तिगत आलोचना कर रहे थे। विपदा के समय राजनीति और व्यक्तिगत प्रचार को प्राथमिकता देना अनुचित बताया गया।

टीएएसए के संस्थापक अध्यक्ष तिरुपतिस्वामी स्वर्ण (स्वामी) ने बताया कि डॉक्टर ने सुबह करीब 10 बजे फोन कर स्थिति गंभीर बताई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि वे बचाने में असमर्थ रहे। उन्होंने तेलंगाना के सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद शब्बीर के साथ परिवार को सूचना दी। वाईएसआरसीपी सऊदी अरब संयोजक रब्बानी सुबह से शाम तक अस्पताल में परिवार के साथ रहे, जिसकी सराहना हुई। वहीं एपीएनआरटीएस के किसी भी कोऑर्डिनेटर के न पहुंचने पर निराशा जताई गई। मालिक के रिश्तेदार ने तुरंत मदद का आश्वासन दिया। कुछ लोगों द्वारा परिवार को सरकारी अधिकारी या भारतीय दूतावास बताकर एफिडेविट मांगने की घटना पर भी आलोचना हुई।

सभी ने कहा कि विपदा के समय पार्टी, जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर मानवीयता से मदद करनी चाहिए। लक्ष्मीनारायण की आत्मा को शांति और परिवार को शक्ति मिले, ऐसी प्रार्थना की गई।

# ईरान से खफा यूएई ने कारोबार से लेकर लेन-देन तक किया बंद

**व्यापारिक, वाणिज्यिक गतिविधियों और ट्रेडिंग को अगले आदेश तक रोकने का ऐलान**

दुबई

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान के खिलाफ बड़ा आर्थिक कदम उठाया है। यूएई ने ईरान के साथ सभी व्यापारिक, वाणिज्यिक गतिविधियों और ट्रेडिंग को अगले आदेश तक रोकने का ऐलान किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय की संचार निदेशक अफरा अल हमेली ने कहा कि यह फैसला क्षेत्रीय तनाव बढ़ने और क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रोक अगली सूचना तक जारी रहेगी।

यूएई का यह फैसला ईरान पर दो बैलिस्टिक मिसाइल दागने के आरोप के कुछ ही समय बाद सामने आया है। यूएई के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान से छोड़ी गई दो मिसाइलों का पता लगाया था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक मिसाइल यूएई के समुद्री क्षेत्र के बाहर गिरी, जबकि दूसरी उसके क्षेत्रीय जल में जा गिरी। बाद की जांच में यूएई ने दावा किया कि दोनों मिसाइलों का निशाना समुद्र में मौजूद जहाजों की आवाजाही थी और दोनों अंतत: समुद्र में गिर गईं। ईरान की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। पूरे घटनाक्रम में स्ट्रेट आफ होर्मुज सबसे संवेदनशील मुद्दों में बना हुआ है। ईरान पहले ही संकेत दे चुका है कि अमेरिका के साथ शांति समझौता होने तक इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को बंद रखा जा सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य यूएई समेत खाड़ी देशों के बंदरगाहों और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यहां तनाव बढ़ने का सीधा असर वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर पड़ सकता है। यूएई ने कहा है कि वह क्षेत्र में शांति, बातचीत और सहयोग के रास्ते को लेकर सकारात्मक है। हालांकि, सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए ईरान के साथ आर्थिक संबंधों पर रोक लगाने का फैसला किया गया है।

मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा

पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद यूएई ने दावा किया था कि उसे करीब 3,000 ईरानी मिसाइलों और ड्रोन का सामना करना पड़ा। जून में संघर्ष को रोकने के लिए समझौता लागू होने के बाद यूएई ने हमलों में कमी की बात कही थी, लेकिन अब उसकी अवधि भी समाप्त हो चुकी है। ऐसे में व्यापारिक रिश्ते रोकने का फैसला दोनों देशों के बीच तनाव को और गंभीर बना सकता है।

ईरान के साथ संघर्ष के दौरान यूएई उन देशों में रहा, जहां बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमले किए जाने का दावा किया गया। देश में अमेरिकी सैन्य ठिकाने होने के कारण वह ईरान के निशाने पर रहा। तनाव का असर पर्यटन और कारोबारी गतिविधियों पर भी पड़ा। इसके बावजूद यूएई ने लगातार क्षेत्र में शांति की कोशिशों का समर्थन किया। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित समझौते के दौरान ईरान में बड़े निवेश की चर्चाओं में यूएई भी प्रमुख देशों में शामिल था।

# न्यायालयों के फैसलों और वेबसाइटों में हिंदी व राज्यों की राजभाषाओं के उपयोग की मांग

## एस. गैबुवली ने मुख्य न्यायाधीश को विनती पत्र भेजकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का किया अनुरोध

**हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** देश के सभी न्यायालयों के फैसलों तथा न्यायालयों की वेबसाइटों पर हिंदी और संबंधित राज्यों की राजभाषाओं का अधिकाधिक उपयोग किए जाने की मांग को लेकर केंद्रीय सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य, हिंदी सेवासदन महाविद्यालय के संस्थापक एवं प्रधान सचिव तथा हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को विनती पत्र भेजा है।

एस. गैबुवली ने यह विनती पत्र ई-मेल एवं डाक के माध्यम से भेजने के साथ-साथ प्रेस के माध्यम से भी अपनी मांग संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय, फौजदारी न्यायालय, दीवानी न्यायालय, महिला न्यायालय तथा अन्य सभी प्रकार के न्यायालयों में मामलों से संबंधित फैसलों और न्यायालयों की वेबसाइटों पर देश की राजभाषा हिंदी तथा संबंधित राज्यों की राजभाषाओं के उपयोग के लिए आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया है।

**आम आदमी के लिए न्याय व्यवस्था को समझना होगा आसान**

एस. गैबुवली ने कहा कि न्यायालयों के मामलों से संबंधित फैसलों और न्यायालयों की वेबसाइटों पर हिंदी तथा राज्यों की राजभाषाओं का उपयोग होने से आम नागरिकों को न्यायिक व्यवस्था की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। इससे लोगों के लिए अपने न्यायालयीन मामलों से संबंधित विषयों को समझना भी आसान होगा। उन्होंने कहा कि देश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें अंग्रेजी भाषा में लिखे कानूनी दस्तावेजों और न्यायालयीन फैसलों को समझने में कठिनाई होती है। यदि फैसलों और महत्वपूर्ण न्यायिक जानकारियों को हिंदी तथा संबंधित राज्यों की राजभाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाए, तो आम आदमी अपने मामले की स्थिति और न्यायालय के फैसले को बेहतर तरीके से समझ सकेगा।

**न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वास बढ़ेगा**

एस. गैबुवली ने कहा कि न्यायालयों की वेबसाइटों पर हिंदी और संबंधित राज्यों की राजभाषाओं में जानकारी उपलब्ध होने से देश के सभी वर्गों के लोगों को कानूनी व्यवस्था के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त होगी। इससे न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ पारदर्शिता और विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि भाषा न्याय तक पहुंच का महत्वपूर्ण माध्यम है। आम नागरिक को यदि न्यायालयीन प्रक्रिया और फैसलों की जानकारी उसकी समझ की भाषा में मिलेगी, तो वह अपने अधिकारों और कानूनी विकल्पों को अधिक आसानी से समझ सकेगा।

एस. गैबुवली ने सर्वोच्च न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालय, जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों तक न्यायिक व्यवस्था में हिंदी और राज्यों की राजभाषाओं के उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि देश की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए न्यायालयों की वेबसाइटों और उपलब्ध कराई जाने वाली महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियों को संबंधित राज्यों की राजभाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए।उन्होंने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से इस विषय पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने तथा आम नागरिकों की सुविधा के लिए न्यायालयीन जानकारी को हिंदी और राज्यों की राजभाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में उचित पहल करने का अनुरोध किया। एस. गैबुवली ने कहा कि न्याय व्यवस्था की जानकारी जब आम नागरिक को उसकी समझ की भाषा में उपलब्ध होगी, तभी कानून और न्याय की व्यवस्था समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच सकेगी।

# 1.67 करोड़ की डिजिटल ठगी का खुलासा अंतरराज्यीय गिरोह के 7 आरोपी गिरफ्तार

**मुंबई, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मुंबई के पश्चिमी क्षेत्रीय साइबर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1 करोड़ 67 लाख रुपये की हाई-प्रोफाइल डिजिटल धोखाधड़ी के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई साइबर पुलिस के उपायुक्त बजरंग बनसोडे के मार्गदर्शन में की गई।पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने मुंबई के एक व्यक्ति से फोन और व्हाट्सऐप के माध्यम से संपर्क किया। आरोपियों ने पीड़ित को डराया कि उसके आधार कार्ड और पैन कार्ड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में किया गया है। इसके बाद बैंक खाते के सत्यापन के नाम पर उसे लगातार डराकर और दबाव में लेकर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1,67,40,000 रुपये ट्रांसफर करा लिए गए।

मामले की शिकायत मिलने के बाद मुंबई पुलिस के पश्चिमी क्षेत्रीय साइबर विभाग ने तकनीकी जांच शुरू की। पुलिस ने बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की बारीकी से जांच की। जांच के आधार पर विभिन्न राज्यों में छापेमारी कर गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 34 लाख रुपये, सात मोबाइल फोन, 613 सिम कार्ड और दो लैपटॉप बरामद किए हैं। पुलिस अब बरामद उपकरणों और दस्तावेजों की जांच कर गिरोह के नेटवर्क तथा इसके अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच साइबर पुलिस उपायुक्त बजरंग बनसोडे ने नागरिकों को महत्वपूर्ण चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारत में 'डिजिटल गिरफ्तारी' नाम की कोई कानूनी प्रक्रिया अस्तित्व में नहीं है।

उन्होंने नागरिकों से कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी या पुलिस अधिकारी वीडियो कॉल अथवा डिजिटल माध्यम से बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड या पैसे की मांग नहीं करता। यदि कोई व्यक्ति पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसी या किसी अन्य सरकारी अधिकारी बनकर गिरफ्तारी का डर दिखाए और पैसे की मांग करे, तो सतर्क रहें।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

**सात आरोपी गिरफ्तार**

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई है-
सलमान हवाबी पठान, उम्र 34 वर्ष, साजिद निशार अहमद कोटावाला, उम्र 46 वर्ष, विराज केतन टायमणी, उम्र 37 वर्ष, सैयद वजाहत वाहिदुद्दीन, उम्र 41 वर्ष, राकेश रामाशंकर मिश्रा, उम्र 42 वर्ष, सत्यदेव राजेंद्र हंगे, उम्र 35 वर्ष, आनंद निलेश ठाकुर, उम्र 27 वर्ष है।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी, पहचान छिपाकर धोखा देने, सरकारी अधिकारी का रूप धारण करने, जबरन वसूली, जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रमुख धाराओं के तहत कार्रवाई की है। इनमें धारा 318(4) धोखाधड़ी, धारा 319(2) पहचान छिपाकर या वेश बदलकर धोखा देने, धारा 204 सरकारी अधिकारी का रूप धारण करने, धारा 205 लोक सेवक के उपयोग के लिए बने टोकन या पोशाक का कपटपूर्वक उपयोग करने, धारा 308(7) जबरन वसूली तथा धारा 336(2) और 338 फर्जी दस्तावेज बनाने और उन्हें असली दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल करने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।

# वमसी कृष्णा ने रेलवे जीएम के साथ की बैठक

**पेद्दापल्ली, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** रेलवे विकास के प्रति सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा की प्रतिबद्धता एक बार फिर सामने आई। सांसद ने हैदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से विभिन्न विकास संबंधी मुद्दों पर महत्वपूर्ण बैठक की।

इस बैठक में सांसद ने विशेष रूप से पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र से जुड़े रेलवे मुद्दों, लंबित विकास कार्यों, यात्रियों की जरूरतों और रेलवे अवसंरचना के विस्तार पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के लिए अधिक ट्रेनों का आवंटन, महत्वपूर्ण ट्रेनों के लिए अतिरिक्त पड़ाव, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा रेलवे अवसंरचना को और मजबूत बनाने जैसे मुद्दे महाप्रबंधक के ध्यान में लाए।

सांसद ने कहा कि पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र में तेजी से हो रहे औद्योगिक और वाणिज्यिक विकास को देखते हुए रेलवे कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रेलवे सेवाओं में सुधार का आग्रह किया।

सांसद वामसी कृष्णा ने स्पष्ट किया, हम पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के लोगों को बेहतर रेलवे सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्रीय रेलवे विभाग के स्तर पर निरंतर प्रयास करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से जनता की जरूरतों के अनुरूप रेलवे विकास को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया।

वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने सांसद द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और आश्वासन दिया कि संबंधित मामलों की जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र के कई सांसद और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# हम लोगों की भलाई के लिए लड़ते रहेंगे : सांसद कृष्णा

पेद्दापल्ली, अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने लोकसभा में जनता की आवाज़ बनकर केंद्र सरकार के रवैये पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने चिंता जताई कि सांसदों द्वारा सदन में लोगों की समस्याओं को उठाने के प्रयासों के बावजूद लोकसभा का कामकाज लोकतंत्र की भावना के विपरीत दिशा में जा रहा है। सांसद ने स्पष्ट कहा कि स्पीकर को लोकसभा के स्पीकर की तरह कार्य करना चाहिए, न कि किसी राजनीतिक दल के स्पीकर की तरह। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनता की समस्याओं पर चर्चा किए बिना सदन के ठप रहने से करोड़ों रुपये का जनधन बर्बाद हो रहा है। सांसद वामसी कृष्णा ने अपने भविष्य और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे छात्रों पर हो रही कड़ी कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि मेहनत करके अपना भविष्य बनाने वाले छात्रों की आवाज़ दबाना कोई समाधान नहीं है। सरकार छात्रों की आवाज़ दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम छात्रों के हक के लिए लड़ेंगे, उन्होंने दृढ़ता से कहा। राजनीतिक मतभेदों को देशद्रोह से जोड़ने की प्रवृत्ति पर सांसद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, माहौल ऐसा बना दिया गया है कि यदि आप भाजपा के साथ नहीं हैं तो आप देशद्रोही हैं। भाजपा का मतलब भारत नहीं है। मैं एक भारतीय और देशभक्त हूँ। सिर्फ इसलिए देशद्रोही नहीं कहा जा सकता कि मैं भाजपा की विचारधारा का समर्थन नहीं करता। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार से सवाल करना हर भारतीय का अधिकार है और किसी राजनीतिक दल का विरोध करना देश का विरोध नहीं है।

सांसद ने आरोप लगाया कि राम मंदिर मुद्दे का इस्तेमाल चुनावी राजनीति के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से मंदिर से जुड़े फंड की पारदर्शी जानकारी मांगी और पूछा, जो फंड मंदिर को जाने वाले थे, उनका क्या हुआ? यदि गड़बड़ी के आरोप हैं तो जिम्मेदार कौन है?

# रायन्ना सम्मान-2026 से नवाज़े गए सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष चंद्रा डंक

**हुब्बल्ली, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

क्रांतिवीर संगोळी रायन्ना हितरक्षण समिति, धारवाड़ जिला की ओर से महान क्रांतिवीर संगोळी रायन्ना की जयंती के अवसर पर हुब्बल्ली में आयोजित भव्य समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष चंद्रा डंक को समाज सेवा एवं जनहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित रायन्ना सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।इस सम्मान की घोषणा के साथ ही समाज बंधुओं तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने डंक का अभिनंदन किया और उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उपस्थित जनों ने कहा कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में डंक का निरंतर एवं समर्पित योगदान प्रेरणादायी है। रायन्ना सम्मान उनके सेवाभावी कार्यों का गौरवपूर्ण एवं सार्थक सम्मान है। समारोह में समर्पण ग्रुप के अध्यक्ष जसराज लुनिया, द इलेक्ट्रिक मर्चेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गौतम गोलेछा, संकल्प परिवार के मदन तातेड़, कांतिलाल पालगोता, भरत पालगोता तथा जैन युवा संगठन के अध्यक्ष इंदर संकलेचा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।समाज बंधुओं ने सुभाष चंद्रा डंक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्हें मिला यह सम्मान सामाजिक सेवा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण एवं ऊर्जा के साथ कार्य करने की नई प्रेरणा देगा।

# विधायक विजयरामन राव ने राजीव गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि

**पेद्दापल्ली, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पेद्दापल्ली के सरकारी सचेतक विधायक चिंतकुंता विजयरामन राव ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विधायक विजयरामन राव ने पेद्दापल्ली कस्बे में स्थित गांधी प्रतिमा पर राजीव गांधी के चित्र पर फूल चढ़ाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने राजीव गांधी के योगदान को स्मरण किया।समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष, पार्षद, नगर मंडल अध्यक्ष, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता तथा स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# उप-सरपंचों की चेक पावर पर कोई समझौता नहीं: बोतला कार्तिक

**निज़ामाबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

सब-सरपंच फोरम तेलंगाना के राज्य अध्यक्ष बोतला कार्तिक ने संयुक्त निज़ामाबाद जिला चीफ कैडर मीटिंग में कड़ी चेतावनी दी।

संदीप गार्डन में आयोजित इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब उप-सरपंचों की चेक पावर का मुद्दा सामने आता है, तो आराम की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

उन्होंने याद दिलाया कि गांवों में सरपंचों को जिताने के लिए वार्ड मेंबरों और उप-सरपंचों ने कड़ी मेहनत की है। जीत के बाद उनकी चेक पावर हटाने की बात करना शर्मनाक है। कार्तिक ने साफ कहा, अगर एक बार फिर उप-सरपंचों की चेक पावर छीनने की बात की गई तो हम पूरे राज्य में आंदोलन तेज कर देंगे। उप-सरपंचों और वार्ड मेंबरों के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ी तो हम किसी भी हद तक जाएंगे।उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पावर के दुरुपयोग को रोकने के लिए उप-सरपंचों को चेक पावर दी थी। अब इसे हटाने की मांग के पीछे के इरादे को गांव वालों को समझना चाहिए। उप-सरपंचों के अधिकारों पर हाथ डालना सिर्फ उन पर हमला नहीं, बल्कि गांव वालों के हक पर हमला है। सरपंचों को अपना रवैया बदलना होगा, नहीं तो उप-सरपंच फोरम की ओर से मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, उन्होंने चेतावनी दी।

कार्यक्रम में उप सरपंच फोरम के राज्य उपाध्यक्ष विकार पाशा, राज्य महासचिव श्रवण गौड़, जनगाँव जिला अध्यक्ष पंडित हरीश, निज़ामाबाद जिला अध्यक्ष महेश, कामारेड्डी जिला अध्यक्ष राजू तथा दोनों जिलों के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष व उप-सरपंच उपस्थित रहे।

# राज्यपाल डॉ. हरि बाबू ने जारी किया 48वें अ. भा. जनसंपर्क सम्मेलन का पोस्टर

**भुवनेश्वर, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

ओडिशा के माननीय राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभापति ने राजभवन में आयोजित विशेष समारोह में 48वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन-2026 (एआईपीआरसी-2026) के आधिकारिक पोस्टर और ब्रोशर का अनावरण किया।

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा आयोजित और पीआरएसआई भुवनेश्वर चैप्टर द्वारा होस्ट किए जा रहे इस तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 25 से 27 दिसंबर 2026 तक भुवनेश्वर में होगा। लगभग पांच दशकों के इतिहास में पहली बार ओडिशा इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

सम्मेलन का थीम नवागुंजरा – एआई के युग में जनसंपर्क रखा गया है, जो प्रौद्योगिकी, मानवीय बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नैतिकता के संगम को दर्शाता है।

पोस्टर जारी करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ओडिशा द्वारा पहली बार इस सम्मेलन की मेजबानी करना गर्व का विषय है। उन्होंने पीआरएसआई और भुवनेश्वर चैप्टर को सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, महासचिव डॉ. पीएलके मूर्ति, सम्मेलन संयोजक डॉ. संजय कुमार साहू सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। ख़ाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

# आज का पंचांग

दिनांक : 21 अगस्त 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 11:38 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 11:53 तक
योग : वैधृति रात्रि 05:18 तक
करण : बालव प्रातः 10:27 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:38 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:37 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:30 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:28 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , गण्डमूल प्रातः 11:54 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# ध्यान : सफलता भी, शांति भी

**सफलता** के साथ मन के भीतर शांति मिलना मुश्किल होता है। आज के अधिकतर युवाओं के साथ यही समस्या है कि वे सफल तो हो रहे हैं लेकिन उस सफलता में कहीं शांति नहीं है। सफलता के साथ शांति का सबसे बेहतरीन मार्ग बौद्ध धर्म में बताया गया है। बौद्ध धर्म ने हर परेशानी का हल ध्यान में तलाशने का प्रयास किया है और इसमें वे काफी हद तक सफल भी हुए हैं। बौद्ध धर्म ने अपना सारा ध्यान मेडिटेशन पर ही केंद्रीत किया है। मन को शांति तब मिलती है जब आप को किए गए काम में आनंद भी आ रहा हो। कई लोगों के साथ परेशानी यह भी है कि जो काम वे कर रहे हैं, उसे एक बोझ या केवल काम मान कर ही कर रहे हैं। बौद्ध धर्म ध्यान के जरिए पहले किसी भी काम में अपनेआप को डुबोने और फिर उसमें आनंद तलाशने को कहता है। जब काम में आनंद आने लगे तो सफलता अपनेआप मिल जाती है। इस सफलता में शांति भी होती है। बौद्ध धर्म कहता है कि हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में थोड़ी देर मेडिटेशन भी करना चाहिए। अपनी दिनचर्या को कुछ ऐसे प्लान करें कि उसमें सुबह या शाम का थोड़ा समय ध्यान के लिए रहे। ध्यान से मन एकाग्र होगा, शरीर शांत और मन केंद्रीत रहेगा। इससे हमें ऊर्जा तो मिलेगी ही, साथ हम जो भी काम कर रहे हैं, समें बेहतर परिणाम मिलेंगे। बोद्ध धर्मा का आधार ही ध्यान है। इसी में उनकी सफलता का मूल मंत्र और रहस्य छिपा हुआ है।

# आस्था है तो मूर्ति में भी दिखेंगे भगवान

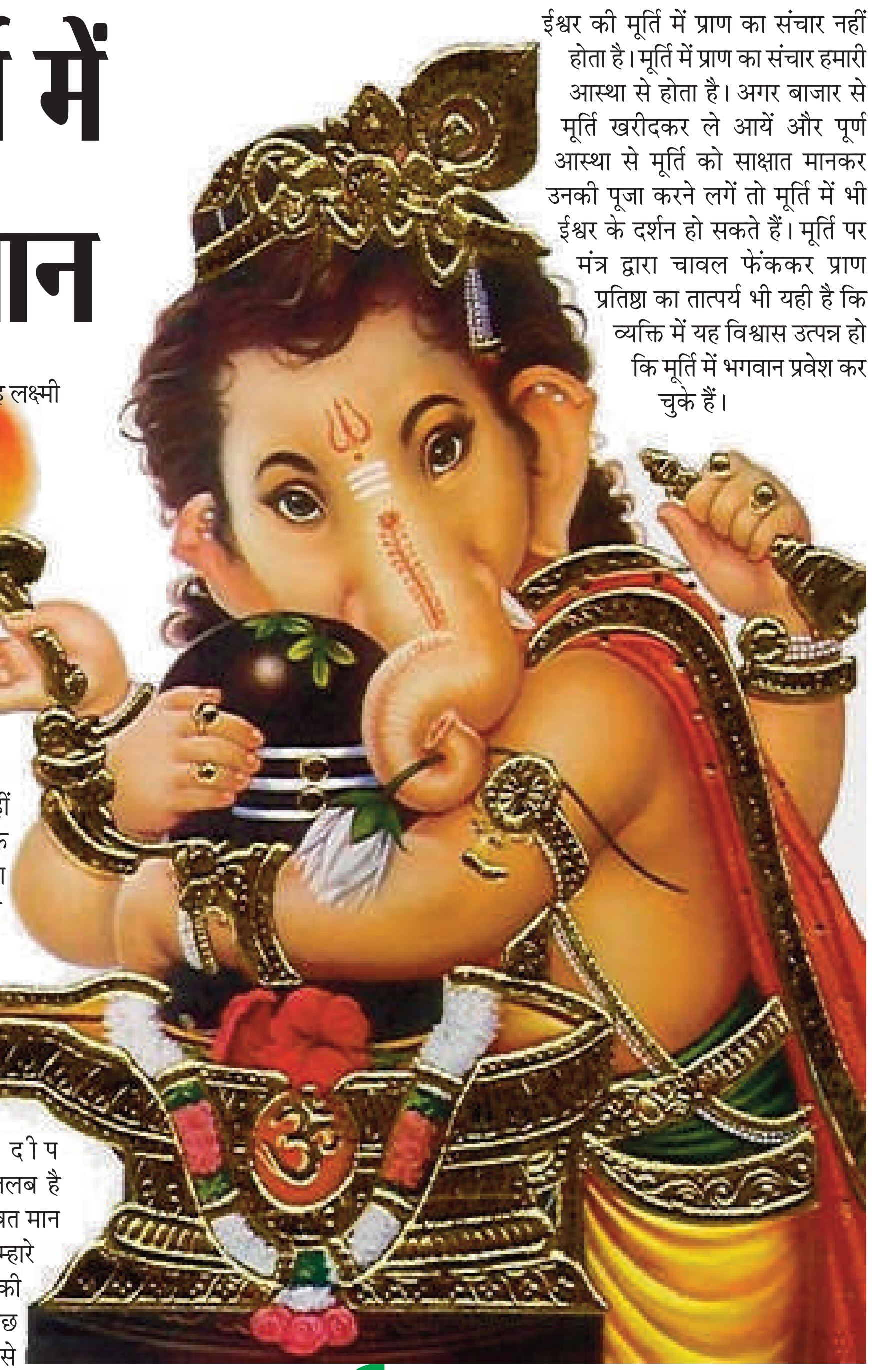

**आपके** घर में भगवान की बहुत सी तस्वीर लगी होगी। पूजा घर में देवी-देवताओं की कुछ मूर्तियां भी हो सकती हैं लेकिन कभी आपने महसूस किया है कि मूर्तियां और तस्वीर जीवित हो उठी हैं अर्थात वह जड़ अवस्था को छोड़कर चेतन जान पड़ने लगे हैं। हो सकता है कुछ ने ऐसा महसूस किया हो। अगर आपने महसूस किया है तो यह समझ लीजिए कि जिस घड़ी आपने ईश्वर को चेतन जाना उस समय वास्तव में ईश्वर उस मूर्ति में वर्तमान थे। जब आपने उन्हें मात्र मूर्ति मानकर पूजा किया तो वह मात्र मूर्ति बने रहे। बहुत से लोग यह कहते हैं कि हमने भगवान की मूर्ति को लड्डू का भोग लगाया, सुबह-शाम धूप-दीप दिखाया लेकिन ईश्वर ने मेरे लिये किया क्या। वास्तव में यह ईश्वर की गलती नहीं है कि आपकी पूजा का फल आपको नहीं मिला।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक व्यक्ति हर दिन सुबह शाम गणेश जी की पूजा करता है। धूप-दीप दिखाता। लेकिन कई वर्षों तक पूजा करने के बाद भी उसे जब कुछ लाभ नहीं दिखा तो गणेश जी से नाराज हो गया। इस व्यक्ति ने गणेश जी की पूजा बंद करके लक्ष्मी माता की पूजा शुरू कर दी। इसने देखा कि जो धूप दीप वह लक्ष्मी मां को दिखा रहा है उसका धुआं गणेश जी के पास भी जा रहा है। वह झट से रूई लेकर आया और गणेश जी नाक में लगा दिया, ताकि गणेश जी को धूप-दीप का गंध भी नहीं मिले। गणेश जी की मूर्ति जड़ से चेतन अवस्था में आकर हंसने लगी। व्यक्ति बड़ा हैरान हुआ कि, आखिर जब तक मैं धूप-दीप दिखाकर गणेश जी की पूजा करता रहा तब तो गणेश जी नहीं आये, लेकिन आज जब मैंने उनकी नाक रूई से बंद कर दी तो गणेश जी भला कैसे मूर्ति में प्रकट हो गये। गणेश जी अपने भक्त के मन की बात समझ गये और बोले जब तक तुम मुझे जड़ मानते रहे अर्थात मिट्टी की मूर्ति मानकर पूजते रहे तब तक मैं जड़ बना रहा। आज तुमने मेरी नाक में रूई लगाया ताकि मैं धूप- दीप का गंध न प्राप्त कर संकू. इसका मतलब है कि तुमने आज मुझे चेतन अर्थात जीवित मान लिया है, बस यही कारण है कि मैं तुम्हारे सामने जीवित उपस्थित हूं। यानी ईश्वर की मूर्ति में चावल लेकर संस्कृत के कुछ मंत्र बोलकर मूर्ति पर चावल फेंकने से ईश्वर की मूर्ति में प्राण का संचार नहीं होता है। मूर्ति में प्राण का संचार हमारी आस्था से होता है। अगर बाजार से मूर्ति खरीदकर ले आयें और पूर्ण आस्था से मूर्ति को साक्षात मानकर उनकी पूजा करने लगें तो मूर्ति में भी ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। मूर्ति पर मंत्र द्वारा चावल फेंककर प्राण प्रतिष्ठा का तात्पर्य भी यही है कि व्यक्ति में यह विश्वास उत्पन्न हो कि मूर्ति में भगवान प्रवेश कर चुके हैं।

# गुड का दान करने से दरिद्रता का नाश होता है

**श्राद्ध पक्ष** में दान की महिमा के बारे में बताया गया है। इन दिनों क्या दान करना चाहिए और क्यों? इस बारे में हमारे पौराणिक ग्रंथों में विस्तार से उल्लेख मिलता है। श्राद्ध पक्ष में दान की महिमा के बारे में बताया गया है। इन दिनों क्या दान करना चाहिए और क्यों? इस बारे में हमारे पौराणिक ग्रंथों में विस्तार से उल्लेख मिलता है। वैसे, इन दिनों अनाज का दान करना शुभ माना गया है। अनाज में गेहूं, चावल का दान गरीबों और ब्राह्मणों को किया जाता है। इसके पीछे मंशा यह रहती है कि कोई भी व्यक्ति इन दिनों में भूखा न रहे। नमक का दान भी कर सकते हैं। इससे पितर जल्द प्रसन्न होते हैं। इन दिनों में नमक का दान करना बेहद उपयुक्त माना गया है। तिल का दान भी श्रेष्ठ माना गया है। विशेष तौर पर काले तिल का दान करने से नकारात्मक शक्तियों का साया और संकट, विपदाओं से निजात मिलती है। यदि व्यक्ति को किसी तरह की आर्थिक समस्या नहीं है तो वह सोने-चांदी का भी दान ब्राह्मणों और जरूरतमंद लोगों को कर सकता है। सोने का दान करने से घर में कलह-क्लेश नहीं आता है। वहीं चांदी का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इसके अलावा गुड़, घी, भूमि का दान भी कर सकते हैं। गुड़ का दान करने से दरिद्रता का नाश होता है। घी का दान करना शुभ माना गया है। भूमि दान करने से आर्थिक रूप से संपन्नता आती है। इन सभी में गौ दान का सबसे ज्यादा पुण्यदायक माना गया है। क्योंकि गौ दान करने से सुख-संपत्ति मिलती है।

# जब दो ब्रम्हास्त्रों का सामना हुआ

**महाभारत** का युद्ध समाप्त हो चुका था. कौरवों की ओर से केवल तीन महारथी हीं जीवित बचे थे – अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा। दुर्योधन की मृत्यु से दुखी अश्वत्थामा ने पांडवों को छल से मारने की प्रतिज्ञा की. उसने दुर्योधन को मरते हुए वचन दिया था कि जैसे भी हो वो पांचों पांडवों को अवश्य मार डालेगा।

कृपाचार्य ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की पट अंततः उन्होंने भी उसका साथ देने की स्वीकृति भर दी। युद्ध के समाप्त होने के पश्चात् कृष्ण पाँचों पांडवों को गंगा तट पर जागरण के लिए ले गए थे और उनके शिविर में उनके पाँचों पुत्र प्रतिविन्ध्य, सुतसोम, श्रुत्कार्मन, शतानीक एवं श्रुतसेन सोए हुए थे। इसकी जानकारी अश्वत्थामा को नहीं थी। उसे लगा कि पांडव हीं वहां सोए हुए हैं। उन्होंने इस पाँचों को सोते हुए हीं पांडव समझ कर मार डाला और प्रसन्नतापूर्वक लौट गए। उनके साथ साथ उन्होंने वहां विश्राम कर रहे सरे योद्धाओं को मौत के घाट उतार दिया जिसमे ध्रिस्त्धुम्न और शिखंडी भी थे।

जब पांडव और द्रौपदी वापस आए तो उपने पुत्रों को मारा हुआ देख द्रौपदी विलाप करने लगी। उसके क्रोध का ठिकाना नहीं रहा। उसने पांडवों से कहा कि जब तक वो अश्वत्थामा का मारा हुआ मुख नहीं देख लेती वो अन्न जल ग्रहण नहीं करेगी।

अश्वत्थामा को पकडने के लिए पांडव चल दिए जो भागता हुआ महर्षि व्यास के आश्रम में पहुँच चुका था। वहां पहुंचकर भीम ने उससे युद्ध कर उसे परस्त किया। अपने पिता आचार्य द्रोण के वरदान के कारण अश्वत्थामा अमर था। उसे ब्रम्हास्त्र का ज्ञान भी था। उसने पांडवों को समाप्त करने के लिए उनपर ब्रम्हास्त्र चला दिया। पांडवों में ब्रम्हास्त्र का ज्ञान केवल अर्जुन को था। जब कृष्ण ने देखा कि ये ब्रम्हास्त्र पांडवों को मार कर हीं रहेगा तो उन्होंने विवश होकर अर्जुन से भी ब्रम्हास्त्र चलने को कहा क्योंकि एक ब्रम्हास्त्र का सामना केवल दूसरा ब्रम्हास्त्र हीं कर सकता था लेकिन इससे पूरी पृथ्वी का विनाश हो जाता। जब महर्षि व्यास ने देखा कि दोनों ब्रम्हास्त्र टकराने हीं वाले हैं तो उन्होंने देवर्षि नारद की सहायता से दोनों ब्रम्हास्त्रों को रोक दिया। उन्होंने अर्जुन और अश्वत्थामा को समझाया कि इससे पूरी पृथ्वी का विनाश हो जाएगा और उन दोनो को अपना ब्रम्हास्त्र वापस लेने को कहा।

उनकी आज्ञा मान कर अर्जुन ने तो अपना ब्रम्हास्त्र वापस ले लिए किन्तु अश्वत्थामा ब्रम्हास्त्र को वापस लेने कि कला नहीं जानता था। महर्षि व्यास ने कहा कि अगर वो अपना ब्रम्हास्त्र वापस नहीं ले सकता तो उसकी दिशा बदल कर उसके प्रभाव को सीमित कर दे। बदले की भावना में जलते अश्वत्थामा ने अपने ब्रम्हास्त्र की दिशा बदल कर उसे अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ पर गिरा दिया जिससे उसके गर्भ से एक मृत शिशु का जन्म हुआ।

उसके इस कृत्य से पांडव बडे क्रोधित हुए। वो ब्राम्हण था और अमर भी इस लिए वो उसका वध तो नहीं कर सकते थे इसलिए उन्होंने उसके मस्तक की मणि लेकर उसे आजीवन भटकने के लिए छोड़ दिया। बाद में कृष्ण की कृपा से उस शिशु को नया जीवनदान मिला जिससे उसका नाम जन्मेजय पडा।

# दुर्वासा ऋषि

**दुर्वासा** हिंदुओं के एक महान ऋषि हैं। वे अपने क्रोध के लिए जाने जाते हैं। दुर्वासा सतयुग, त्रैता एवं द्वापर तीनों युगों के एक प्रसिद्ध सिद्ध योगी महर्षि हैं। वे महादेव शंकर के अंश से आविर्भूत हुए हैं। कभी-कभी उनमें अकारण ही भयंकर क्रोध भी देखा जाता है। वे सब प्रकार के लौकिक वरदान देने में समर्थ हैं।

महर्षि अत्रि जी सृष्टिकर्ता ब्रह्माजी के मानस पुत्र थे। उनकी पत्नी अनसूयाजी के पातिव्रत धर्म की परीक्षा लेने हेतु ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ही पत्नियों के अनुरोध पर श्री अत्री और अनसूयाजी के चित्रकुट स्थित आश्रम में शिशु रूप में उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी चंद्रमा के रूप में, विष्णु दत्तात्रेय के रूप में और महेश दुर्वासा के रूप में उपस्थित हुए। बाद में देव पत्नियों के अनुरोध पर अनसूयाजी ने कहा कि इस वर्तमान स्वरूप में वे पुत्रों के रूप में मेरे पास ही रहेंगे। साथ ही अपने पूर्ण स्वरूप में अवस्थित होकर आप तीनों अपने-अपने धाम में भी विराजमान रहेंगे। यह कथा सतयुग के प्रारम्भ की है। पुराणों और महाभारत में इसका विशद वर्णन है। दुर्वासा जी कुछ बडे हुए, माता-पिता से आदेश लेकर वे अन्न जल का त्याग कर कठोर तपस्या करने लगे। विशेषतः यम-नियम, आसन, प्राणायाम, ध्यान-धारणा आदि अष्टांग योग का अवलम्बन कर वे ऐसी सिद्ध अवस्था में पहुंचे कि उनको बहुत सी योग-सिद्धियां प्राप्त हो गई। अब वे सिद्ध योगी के रूप में विख्यात हो गए। तत्पश्चात् यमुना किनारे इसी स्थल पर उन्होंने एक आश्रम का निर्माण किया और यहीं पर रहकर आवश्यकता के अनुसार बीच-बीच में भ्रमण भी किया। दुर्वासा आश्रम के निकट ही यमुना के दूसरे किनारे पर महाराज अम्बरीष का एक बहुत ही सुन्दर राजभवन था। एक बार राजा निर्जला एकादशी एवं जागरण के उपरांत द्वादशी व्रत पालन में थे। समस्त क्रियाएं सम्पन्न कर संत-विप्र आदि भोज के पश्चात भगवत प्रसाद से पारण करने को थे कि महर्षि दुर्वासा आ गए। महर्षि को देख राजा ने प्रसाद ग्रहण करने का निवेदन किया, पर ऋषि यमुना स्नान कर आने की बात कहकर चले गए। पारण काल निकलने जा रहा था। धर्मज्ञ ब्राह्मणों के परामर्श पर श्री चरणामृत ग्रहण कर राजा का पारण करना ही था कि ऋषि उपस्थित हो गए तथा क्रोधित होकर कहने लगे कि तुमने पहले पारण कर मेरा अपमान किया है। भक्त अम्बरीश को जलाने के लिए महर्षि ने अपनी जटा निचोड़ क्रत्या राक्षसी उत्पन्न की, परन्तु प्रभु भक्त अम्बरीश अडिग खडे रहे। भगवान ने भक्त रक्षार्थ चक्र सुदर्शन प्रकट किया और राक्षसी भस्म हुई। दुर्वासाजी चौदह लोकों में रक्षार्थ दौड़ते फिरे। शिवजी की चरण में पहुंचे। शिवजी ने विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने कहा आपने भक्त का अपराध किया है। अतःयदि आप अपना कल्याण चाहते हैं, तो भक्त अम्बरीश के निकट ही क्षमा प्रार्थना करें।

जब से दुर्वासाजी अपने प्राण बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे, तब से महाराज अम्बरीशने भोजन नहीं किया था। उन्होंने दुर्वासाजी के चरण पकड़ लिए और बड़े प्रेम से भोजन कराया। दुर्वासाजी भोजन करके तृप्त हुए और आदर पूर्वक राजा से भोजन करने का आग्रह किया। दुर्वासाजी ने संतुष्ट होकर महाराज अम्बरीश के गुणों की प्रशंसा की और आश्रम लौट आए। महाराज अम्बरीश के संसर्ग से महर्षि दुर्वासा का चरित्र बदल गया।

अब वे ब्रह्म ज्ञान और अष्टांग योग आदि की अपेक्षा शुद्ध भक्ति मार्ग की ओर झुक गए। महर्षि दुर्वासा जी शंकर जी के अवतार एवं प्रकाश हैं। शंकर जी के ईश्वर होने के कारण ही उनका निवास स्थान ईशापुर के नाम से प्रसिद्ध है। आश्रम का पुनर्निर्माण त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद्भक्ति वेदान्त गोस्वामी जी ने कराया।

सम्प्रति व्यवस्था सन्त रास बिहारी दास आश्रम पर रह कर देख रहे हैं। ब्रज मण्डल के अंतर्गत प्रमुख बारह वनों में से लोहवनके अंतर्गत यमुना के किनारे मथुरा में दुर्वासाजी का अत्यन्त प्राचीन आश्रम है। यह महर्षि दुर्वासा की सिद्ध तपस्या स्थली एवं तीनों युगों का प्रसिद्ध आश्रम है। भारत के समस्त भागों से लोग इस आश्रम का दर्शन करने और तरह-तरह की लौकिक कामनाओं की पूर्ति करने के लिए आते हैं।

# भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

**अहंकार** शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है 'मैं'। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि 'जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है' तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा। रावण विद्वान होने के साथ ही महापराक्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं 'मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है' अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा। पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मनःस्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

# नित्य काशी में स्नान करते हैं भगवान दत्तात्रेय

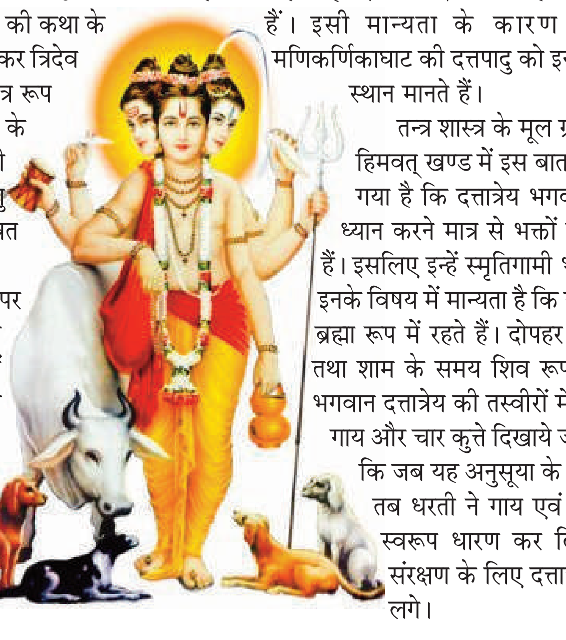

**आज** भगवान दत्तात्रेय की जयंती है। दत्तात्रेय ऋषि अत्रि और देवी अनुसूया के पुत्र हैं। ब्रह्माण्ड पुराण की कथा के अनुसार देवी अनुसूया के पतिव्रत से प्रसन्न होकर त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश ने उनके घर पुत्र रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। इस वरदान के फलस्वरूप ब्रह्मा चन्द्रमा रूप में, शिव जी ऋषि दुर्वासा के रूप में तथा भगवान विष्णु दत्तात्रेय के रूप में अवतरित हुए। श्रीमद्भागवत में भी इस कथा का उल्लेख मिलता है।

चन्द्रमा एवं ऋषि दुर्वासा ने तपस्या पर जाने से पूर्व अपना तेज और बल दत्तात्रेय को प्रदान कर दिया। इसके कारण दत्तात्रेय में ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश एकाकार हो गये। पुराण के अनुसार भगवान दत्तात्रेय जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हैं और आज भी योगबल से संसार में भ्रमण करते हैं। मान्यता है कि दत्तात्रेय प्रतिदिन प्रातः काशी में गंगा-स्नान करते हैं। कोल्हापुर में नित्य जप और माहुरीपुरमें भिक्षा ग्रहण करते हैं। सह्याद्रि की कन्दराओं में यह विश्राम किया करते हैं। इसी मान्यता के कारण काशी स्थिति मणिकर्णिकाघाट की दत्तपादु को इनके भक्त पूजनीय स्थान मानते हैं।

तन्त्र शास्त्र के मूल ग्रन्थ रुद्रयामल के हिमवत् खण्ड में इस बात का उल्लेख किया गया है कि दत्तात्रेय भगवान सच्चे मन से ध्यान करने मात्र से भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। इसलिए इन्हें स्मृतिगामी भी कहा जाता है। इनके विषय में मान्यता है कि यह प्रातः काल में ब्रह्मा रूप में रहते हैं। दोपहर में विष्णु रूप में तथा शाम के समय शिव रूप में विराजते हैं। भगवान दत्तात्रेय की तस्वीरों में उनके साथ एक गाय और चार कुत्ते दिखाये जाते हैं। मान्यता है कि जब यह अनुसूया के घर अवतरित हुए तब धरती ने गाय एवं वेदों ने कुत्ते का स्वरूप धारण कर लिया और अपने संरक्षण के लिए दत्तात्रेय के साथ रहने लगे।

# इन चीजों को दोबारा न करें गर्म नहीं मिलेगा कोई लाभ!

ताजा भोजन खाना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायिक होता हैं लेकिन अधिकतर घरों में बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करके खाया जाता हैं। भोजन को पकाने के बाद उसे ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते है। हमारे भोजन में कई ऐसी चीजें शामिल हैं, जिन्हें दोबारा गर्म करके खाना जहर के समान होता है। आज हम आपको बताते हैं कि कौन सी चीजों को दोबारा गर्म करके नहीं खाना चाहिए।

### आलू

आलू का इस्तेमाल ज्यादातर हर सब्जी में किया जाता है। आलू सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं लेकिन इन्हें पकाकर ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। पके हुए आलू को ज्यादा देर तक रखने से इनमें पोषक तत्व खत्म हो जाते है। इसे दोबारा गर्म करके खाने से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

### चिकन

ताजा बना हुआ चिकन सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन चिकन को दोबारा गर्म करके खाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। चिकन को दोबारा गर्म करके खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

### चुकंदर

चुकंदर को दोबारा गर्म करने से इसमें मौजूद नाइट्रेट समाप्त हो जाता है। बेहतर है कि बचे हुए चुकंदर को फ्रिज में रख दें और खाने से कुछ घंटे पहले फ्रिज से बाहर निकाल दें। इसे बिना गर्म किए खाएं।

### मशरूम

मशरूम में प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है। मशरूम को दोबारा गर्म करके खाने से इसमें मौजूद प्रोटीन का कॉम्पोजिशन बदल जाता है, जोकि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

### पालक

पालक को दोबारा गर्म करके खाने से इसमें मौजूद नाइट्रेट कुछ ऐसे तत्वों में बदल जाते हैं, जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

## नजर को नुकसान पहुंचाता है धूम्रपान

धूम्रपान करने सेहत के लिए बहुत हानिकारक है, इसके पैकेट पर भी यही लिखा होता है। फिर भी हम धूम्रपान करते हैं। अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि धूम्रपान से न केवल फेफड़ों का कैंसर होता है बल्कि इसके कारण अंधापन, डायबिटीज, लीवर का कैंसर और पौरूष में कमी जैसी बीमारियां भी होने लगती हैं। तंबाकू हमारे शरीर साथ आंखों को भी प्रभावित करता है।

## खतरनाक हो सकती है हाइपोजेनिक स्टेज

अक्सर आप जब रात में गहरी नींद में सो रहे होते हैं तो अचानक आपको झटके आने लगते हैं। आमतौर पर ऐसा तब होता है जब रात में सपने देख रहे होते हैं। इसे हाइपेनिक जर्क कहा जाता है। माना जाता है कि लगभग 70 प्रतिशत लोग इस स्थिति को महसूस करते हैं।रात के समय में एक्सरसाइज शरीर की उत्तेजना को कम करने के साथ ही कैफीन का कम सेवन इसका बेहतर इलाज हो सकता है।

# ज्यादा कॉस्मेटिक्स त्वचा के लिए हानिकारक...

कॉस्मेटिक उत्पादों व साबुन में ऐसे कई रसायनों का उपयोग हो रहा है, जो कि त्वचा के लिए खतरनाक है। यहां तक कि इनके ज्यादा इस्तेमाल से कैंसर तक हो सकता है। लिपस्टिक में कैमिकल होता है। यह होठों की नमी खत्म कर देती है। इसमें लीड भी होता है, जो कि रंग को गाढ़ा करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

**लीड** से दिमाग संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसी तरह मॉश्चराइजर में डिटर्जेंट जैसे कई कैमिकल मिले होते हैं। जो स्किन को खराब करते हैं। नेचरल ब्यूटी को खत्म कर देते हैं। नेलपॉलिश में एसीटोन होना है जो आपके नाखूनों को कमजोर बनाता है और उन्हे काफी नुकसान पहुंचाता है।

टेल्कम पाउडर में सिलिकेट्स टेल्क पड़ा हुआ होता है जो न केवल एक रासायनिक तत्व है बल्कि इसमें कैंसर कर देने वाले तत्व भी मौजूद होते है। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरमेंट (सीएसई) की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है कि कॉस्मेटिक में मरकरी, क्रोमियम, टार, निकेल जैसे खतरनाक कैमिकल होते हैं।

### बेन्जोल पैरॉक्साइड

मुंहासों के उपचार के लिए बनने वाले उत्पादों में इस रसायन का उपयोग किया जाता है। हालांकि यह बहुत कम मात्रा में प्रयोग किया जाता है। इससे त्वचा में रूखापन होने के साथ खुजली भी हो जाती है। जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील है, उन्हें इससे जलन, खुजली व सूजन आदि की परेशानी हो सकती है। इसे कैंसरकारक भी माना जाता है।

### ट्राइक्लोसन

बाजार में मौजूद कई एंटीबैक्टीरियल साबुन व सौंदर्य प्रसाधनों में इसका प्रयोग किया जाता है। इसके फायदे के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। हालांकि यह माना गया है कि यह रसायन त्वचा में खुजली पैदा करने के साथ थायरॉइड हार्मोन की सामान्य क्रिया प्रभावित करता है।

### फॉर्मलडीहाइड

इसका प्रयोग सामान्यतः बॉडी वॉश, शैम्पू और कंडीशनर्स आदि में किया जाता है। माना जाता है कि यह एंटीबैक्टीरियल ग्रोथ रोकता है। कैंसर के कारणों की खोज करने वाली कई एजेंसीज के मुताबिक यह रसायन कैंसर का खतरा बढ़ाता है।

### पीईजी-6

साबुन में प्रयोग किए जाने वाला यह पदार्थ कैंसर का खतरा बढ़ाता है।

### पैराबेन

सौंदर्य प्रसाधनों में इसका प्रयोगे प्रिजरवेटिव के रूप में किया जाता है। अधिकतर यह बॉडीवॉश, शैम्पू, साबुन और क्लिंजर्स आदि में मिलाया जाता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह रसायन महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ाता है।

### डी एंड सी येलो 11

स्किन केयर और अन्य ब्यूटी उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले रंगों को प्रिफि क्स डी एंड सी (ड्रग प्रिपरेशंस एंड कॉस्मेटिक्स) कहा जाता है। यह रसायन तब तक ही सुरक्षित है, जब तक शरीर इसे न सोखे। आंखों के आसपास के बाहरी हिस्सों के लिए यह नुकसानदायक माना जाता है।

### खुशबू

इसका इस्तेमाल, साबुन, डियो, परफ्यूम, शैंपू व क्लिंजर्स सहित ज्यादातर ब्यूटी उत्पादों में किया जाता है। इससे कई बार एलर्जी, खुजली या त्वचा संबंधी कोई अन्य परेशानी, सांस संबंधी तकलीफ होने के अलावा सिरदर्द या माइग्रेन आदि की समस्या हो सकती है।

# OIL सोखने के लिए न करें न्यूजपेपर का इस्तेमाल

**अगर** आप भी तले हुए खाद्य पदार्थों के ऑयल को सोखने के लिए न्यूजपेपर का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको बता दें कि यूजपेपर से तेल को पोछने और सोखने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। अगर आप लंबे वक्त से तेल को पोछने के लिए यह तरीका आजमा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी आदत को बदलें और अपना हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं। न्यूजपेपर से तेल को सोखने और पोछने से इसमें मौजूद कैमिकल खाद्य पदार्थों में चले जाते हैं और आपको सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आपकी इस आदत की वजह से आपको कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

### कैंसर

न्यूजपेपर में इस्तेमाल होने वाली इंक काफी नुकसानदायक होती है। जब यह खाद्य पदार्थ तक पहुंचती है तो स्वास्थ्य संबंधी खतरों को और बढ़ा देती है। इससे कैंसर होने की संभावना भी रहती है।

### किडनी और लंग्स प्रभावित

न्यूजपेपर में ग्रेफाइड पाया जाता है जब यह खाद्य पदार्थ के जरिए शरीर में पहुंचता है तो आपका शरीर विषैले पदार्थों को नष्ट करने में अक्षम हो जाता है। ऐसे में आपको लंग्स और किडनी संबंधी समस्या हो सकती है।

### किस चीज का इस्तेमाल करें

न्यूजपेपर से ऑयल सोखने और पोछने की जगह आप टिश्यू पेपर या फिर किचन पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सबसे बढ़िया विकल्प है। इसके अलावा आप अखबार की जगह साधा पेपर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

## ताकि... लिवर हमेशा रहे चुस्त-दुरुस्त

**लिवर** में संक्रमण होने की स्थिति में उसे ठीक करना जरूरी होता है। शरीर में लिवर की भूमिका अहम होती है जो तमाम गंदगी और हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालने में सहायक होता है। असंयमित दिनचर्या और गलत खानपान की वजह से लिवर में संक्रमण हो जाता है। इसलिए लिवर को संक्रमण और दूषित तत्वों से मुक्त करना जरूरी होता है और इसके लिए आप घरेलू उपायों का सहारा ले सकते है। बेरी और चीया के बीज लिवर में जमा प्रदूषक तत्वों को जल्द बाहर करने में सहायक होते है। इन दोनों में एंटी-ऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में होता है जो लिवर में जमा गंदगी को साफ करता है। साथ ही इनके सेवन से पाचन संस्थान भी सही ढंग से काम करने लगते है। चुकंदर के रस को पीने से लिवर की गंदगी साफ होती है और लिवर दोबारा सही ढंग से काम करने लगता है। आंवला लिवर के लिए रामबाण है। आंवला में काफी मात्रा में एंटी-ऑक्सिडेंट होते है जो लिवर को शक्ति प्रदान करते हैं और प्रदूषक तत्वों को निकाल बाहर फेंकने और संक्रमण मुक्त करने में सहायक होते है। इसलिए रोजाना एक ग्लास आंवला जूस का सेवन जरूर करना चाहिए।

## भावनाओं पर नियंत्रण और व्यवहार में आता है बदलाव

# दिमाग पर सीधा असर करती है यह बीमारी!

*टाइप 2 मधुमेह के कारण व्यक्ति अच्छा जीवन नहीं जी पाता और अब शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह मस्तिष्क की खास क्षमताओं को भी घटा सकता है। शोध के मुताबिक, टाइप-2 मधुमेह से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर बुरा असर पड़ता है। इसमें भावनाओं पर नियंत्रण, व्यवहार और विचार आदि शामिल हैं।*

### गतिविधियों को मापा...

कनाडा में वॉटरलू विश्वविद्यालय से संबद्ध शोध के मुख्य लेखक कॉरी विन्सेंट के मुताबिक, मस्तिष्क के कामकाज का यह पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि जब भी हम अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति के विपरीत कोई काम करने का प्रयास करते हैं या हमें ऐसा करने के लिए बाध्य होना पड़ता है तो हम पूर्ण रूप से मस्तिष्क पर निर्भर होते हैं। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने 70 शोधों की समीक्षा की है, जिसमें टाइप 2 मधुमेह के 9,815 मरीजों की तुलना मधुमेह के अन्य 69,254 मरीजों से की गई और उनके मस्तिष्क की प्रमुख गतिविधियों को मापा गया।

### कर सकते हैं बचाव...

वॉटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक पीटर हॉल के मुताबिक, सामान्य रूप से टाइप-2 मधुमेह के मरीजों में दोहरी बाधाओं की वजह से मस्तिष्क गतिविधियों के नियंत्रण की अधिक जरूरत हो सकती है। संभावित रूप से ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इस बीमारी का मस्तिष्क पर असर पड़ता है। विश्व में लगभग 60.0 करोड़ लोग टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं और 2030 तक ऐसे लगभग 80.0 करोड़ मामले सामने आने की संभावना है। ऐसे में जरूरी है कि जिंदगी जीने के तौर-तरीके में बदलाव लाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

# विदेशों में पढ़ाई करना हो सकता है आसान

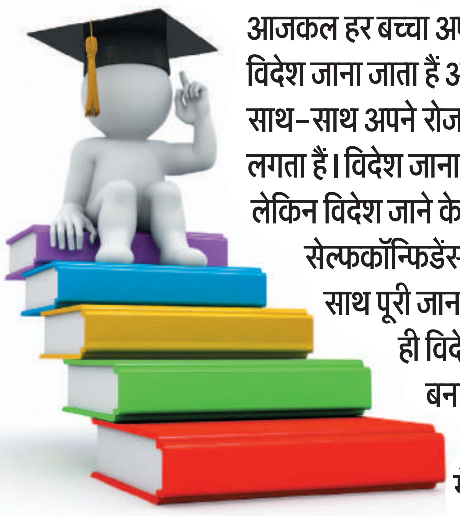

आजकल हर बच्चा अपना कॅरियर बनाने के लिए विदेश जाना जाता हैं और वहां पर पढ़ाई करने के साथ-साथ अपने रोजगार के साधन भी तलाशने लगता हैं। विदेश जाना कोई गलत बात नहीं, लेकिन विदेश जाने के लिए बच्चे में सेल्फकॉन्फिडेंस होना चाहिए और साथ-साथ पूरी जानकारी एकत्रित करने के बाद ही विदेश में पढ़ाई करने का प्रोग्राम बनाना चाहिए। इन बातों को ध्यान में रखकर ही विदेश में पढ़ाई करने जाएं।

### इन बातों का रखें ध्यान...

- विदेश में जाने से पहले आप जिस यूनिवर्सिटी से स्टडी करना चाहते हैं पहले उसके सारे कोर्सेज की जानकारी एकत्रित कर लें, जिससे वहां पहुंचकर आपको किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।
- विदेश में जाने से पहले आप जहां ठहरने वाले हैं चाहे वो किराए का कमरा हो या हॉस्टल हो उस जगह की पूरी जानकारी एकत्रित करें। वरना आपको वहां पहुंचने के बाद समस्या हो सकती है।
- विदेश जानें से पहले आप अपनी पैकिंग सही ढंग से करें और बैंक अकाउंट खुलवाना न भूलें ऐसा करने से आपको करंसी की समस्या नहीं रहेगी और बैंक अकाउंट उसी बैंक में खुलवाएं जो विदेश पहुंचने पर सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाए। अन्यथा आपको ट्रांजेक्शन की समस्या से दो-चार होना पड़ सकता है।
- विदेश में पहुंचने के बाद आप अच्छे दोस्तों के साथ संपर्क में आएं और उनके साथ मेल-जोल बढ़ाएं।
- विदेश पहुंचने के बाद जाते ही नौकरी नहीं मिल जाती इसके लिए कुछ समय इंतजार करना पड़ता है और वहां पहुंचकर अच्छी कंपनियों की जानकारी एकत्रित करें जो पार्ट टाइम जॉब ऑफर करती हो ऐसा करने से आप इस जॉब से पॉकेट मनी तो निकाल ही सकते हैं, जिससे आप अपने खर्च पूरे कर सकें।
- विदेश पहुंचने के बाद अगर वहां पर कोई समस्या भी आ जाए तो आप अपना सेल्फकॉफिडेंट कभी न खोएं बल्कि उस समस्या को सुलझाने का प्रयास करें व ज्यादा परेशान न होकर उसका हल निकालने का प्रयास करें।

## सेवा, श्रद्धा और समर्पण की जीवंत मिसाल

# सरस्वती बाई राठी

### पांच दशकों से निरंतर जनसेवा, गौसेवा से दे रही हैं समाज को प्रेरणा

आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में, जहाँ स्वार्थ और व्यक्तिगत उपलब्धियों को ही सफलता की कसौटी माना जाने लगा है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो निःस्वार्थ सेवा, श्रद्धा और समर्पण के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायी एवं सम्माननीय शख्सियत हैं - श्रीमती सरस्वतीबाई राठी।

21 अगस्त 1936 को हैदराबाद, तेलंगाना में जन्मी सरस्वतीबाई जी ने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों को समर्पित किया है।

वे श्रीराम नाम आराधना महिला मंडल की अध्यक्ष हैं। इसके साथ ही वे जीव दया शिव मंडल, श्री गिर्राज अनुक्षेत्र और रामकृपा सत्संग सभा जैसी अनेक संस्थाओं से भी जुड़ी हुई हैं।

उनकी सेवाओं का दायरा केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक, शैक्षणिक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

**पांच दशकों से जारी है शीतल जल सेवा**

श्रीमती सरस्वतीबाई राठी के नेतृत्व में हैदराबाद में गर्मी के मौसम के दौरान प्रतिवर्ष शीतल जल सेवा (प्याऊ), छाछ, जूस एवं अल्पाहार वितरण का भव्य आयोजन किया जाता है। यह सेवा कार्य पिछले 50 वर्षों से निरंतर जारी है और समाज के प्रति उनके समर्पण एवं सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है। इसके अतिरिक्त, उनके द्वारा समय-समय पर गौहत्या रोकने के प्रयास, गौशालाओं को सहयोग, विद्यार्थियों को नोटबुक एवं बैग वितरण सहित अनेक जनहितकारी कार्य किए जाते रहे हैं। वे हैदराबाद की कई गौशालाओं की आजीवन सदस्य भी हैं और गौसेवा के कार्यों में निरंतर योगदान देती रही हैं।

**नेतृत्व नहीं, सेवा को देती हैं प्राथमिकता**

श्रीमती राठी केवल विभिन्न संस्थाओं की अध्यक्ष या पदाधिकारी के रूप में ही अपनी भूमिका का निर्वहन नहीं करतीं, बल्कि प्रत्येक आयोजन और सेवा कार्य में एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में भी सक्रिय भागीदारी निभाती हैं। यही उनका सबसे बड़ा गुण है - नेतृत्व में सेवा का भाव और सेवा में पूर्ण समर्पण।

आज के समय में, जब समाजसेवा कई बार केवल प्रदर्शन और दिखावे तक सीमित होती दिखाई देती है, तब सरस्वतीबाई राठी जैसी महिलाओं का निःस्वार्थ समर्पण समाज के लिए सच्ची प्रेरणा प्रस्तुत करता है।

उनका जीवन यह संदेश देता है कि सेवा ही सच्चा धर्म है और निःस्वार्थ सेवा ही भारतीय संस्कृति का मूल आधार है। उनका जीवन समाज की नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है कि वे व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर मानवता, समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

श्रीमती सरस्वतीबाई राठी जी को हमारा शतशः नमन और उनके सेवा-पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

# 'विरोध' से झुकीं व्यवस्थाएं

**देश** भर में 'विरोध' एक असरदार मुहावरा और हथियार बन गया है। इसे सामुदायिक प्रयोग भी कह सकते हैं। लगता है कि कष्ट, अन्याय, शोषण इतनी पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि आखिरी विकल्प 'विरोध' ही बचा है। कई बार यह भी एहसास होता है कि 'विरोध' की जमात में अचानक महात्मा गांधी की चेतना जागृत हो उठी है और वह व्यवस्था की चूलें हिला देने पर आमादा है। बिल्कुल शांतिपूर्ण, संयमी, इच्छा-शक्ति से भरपूर, व्यवस्था के प्रतिरोध और धमकियों को झेलते हुए 'विरोध' किए जा रहे हैं। वे कामयाब होकर अपना मकसद भी हासिल कर रहे हैं। यह जमात दिल्ली के जंतर-मंतर या रामलीला मैदान अथवा किन्हीं 'कॉकरोचों' से प्रेरित नहीं है, बल्कि दमन, भ्रष्टाचार और शोषण ने इसे संघर्ष करने को बाध्य किया है। दो उदाहरण अभूतपूर्व और अकल्पनीय लगते हैं। बारिश में भीगती स्कूली छात्राओं ने मुख्य सडक़ अवरुद्ध कर दी, क्योंकि वे स्कूल की नकारा, उपेक्षित व्यवस्थाओं से तंग आ चुकी थीं। न अध्यापक, न सुरक्षित क्लास रूम, न स्वच्छ शौचालय और न ही पोषक दोपहर का भोजन..! इस विरोध-प्रदर्शन ने सरकार और प्रशासन को हिला दिया, संबद्ध अधिकारी एकदम दौड़े चले आए और छात्राओं को आश्वस्त किया। विरोध समाप्त कर दिया गया। दूसरा उदाहरण बाबा अंबेडकर की जन्मस्थली महू (मप्र) के पास का है। झार जिले के निसरपुर में 'माता शबरी आवासीय कन्या छात्रावास' में 60 छात्राओं की व्यवस्था थी, लेकिन वहां करीब 150 छात्राओं को 'भेड़-बकरियों' की तरह ठूंस कर रहने को विवश किया गया था। बीते रविवार की देर रात में 9वीं-11वीं कक्षा की 40 छात्राएं खिड़कियों से बाहर कूदीं, नंगे पांव चलती रहीं और पुलिस स्टेशन तक पहुंच गईं। रात के अंधेरे में ही एसडीओ (पुलिस) और तहसीलदार दौड़े चले आए और छात्राओं की शिकायतें सुनीं। छात्रावास की वार्डन और कार्यवाहक प्रिंसिपल को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया। कमोबेश व्यवस्था को विरोध के सामने झुकना पड़ा। दरअसल ये तमाम 'विरोध' दिल्ली, रांची, पटना, लखनऊ, कोलकाता के विभिन्न विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों से भिन्न हैं। इन्हें न तो नौकरी चाहिए, न ही अभी उम्र है और न पेपरलीक या परीक्षा रद्द किए जाने के कारण भविष्य दांव पर है। इनका विरोध बुनियादी व्यवस्थाओं को लेकर है। बहरहाल रांची में अनशन, आंदोलन समाप्त हो गया, लेकिन विरोध, संघर्ष अब भी जारी है। अब वे 1932 नौकरीपेशा चेहरे आंदोलनरत हैं, जिनकी नौकरी छिन रही है। सोरेन सरकार ने 2014 के बाद की तमाम परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। परीक्षा रद्द, तो चयन भी रद्द और नतीजतन नौकरी भी खत्म...! यह बड़ी अजीब स्थिति है। अब ये नौजवान अदालत में जाएंगे। बिहार के पटना में करीब 70,000 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। वैसे सरकार में कुल 1.10 लाख से अधिक पद खाली हैं। विरोध और युवाओं की धमकी के मद्देनजर सरकार ने मात्र चार घंटे में ही 32,388 शिक्षकों की भर्ती और परीक्षा का विज्ञापन अधिसूचित कर दिया। बिहार में साल-दर-साल परीक्षाएं नहीं होतीं। स्नातक की डिग्री भी 5 साल में मिल पाती है। यदि परीक्षा होती है, तो परिणाम लटके रहते हैं। अराजकता और अव्यवस्था की पराकाष्ठा ऐसी है कि युवाओं की उम्र बढ़ती जा रही है और अब नौकरियां छीनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पश्चिम बंगाल में 2016 में 23,753 शिक्षकों की भर्ती की गई थी। मोटे भ्रष्टाचार के आरोपों के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वे भर्तियां रद्द कर दीं। सर्वोच्च अदालत ने न केवल उस फैसले को बरकरार रखा, बल्कि आदेश दिया कि जो वेतन लिया गया है, वह ब्याज समेत वापस किया जाए। करीब 8 साल के बाद वे नौकरीपेशा शिक्षक बेरोजगार होने के साथ-साथ कर्जदार भी हो गए। कइयों के परिवार हैं, तो वे कैसे गुजारा करेंगे? यह मानवीय और संवेदनशील सवाल है। आखिर यह कैसी व्यवस्था है? अंततः चारों तरफ विरोध-प्रदर्शन और आंदोलन जारी हैं। सरकारें या तो मूकदर्शक बनी हैं अथवा हार कर ऐसे फैसले कर रही हैं, जो सभी पक्षों के लिए न्यायसंगत नहीं हैं। ऐसा लगता है मानो सरकारों के पास नौकरियां ही नहीं हैं! सरकारें लटका, भटका रही हैं। मामले अदालतों में चक्कर काट रहे हैं। अब तो सरकारी नौकरी भी सुरक्षित नहीं रह गई है।

बारिश में भीगती स्कूली छात्राओं ने मुख्य सडक़ अवरुद्ध कर दी, क्योंकि वे स्कूल की नकारा, उपेक्षित व्यवस्थाओं से तंग आ चुकी थीं। न अध्यापक, न सुरक्षित क्लास रूम, न स्वच्छ शौचालय और न ही पोषक दोपहर का भोजन..! इस विरोध-प्रदर्शन ने सरकार और प्रशासन को हिला दिया, संबद्ध अधिकारी एकदम दौड़े चले आए और छात्राओं को आश्वस्त किया। विरोध समाप्त कर दिया गया। दूसरा उदाहरण बाबा अंबेडकर की जन्मस्थली महू (मप्र) के पास का है। झार जिले के निसरपुर में 'माता शबरी आवासीय कन्या छात्रावास' में 60 छात्राओं की व्यवस्था थी, लेकिन वहां करीब 150 छात्राओं को 'भेड़-बकरियों' की तरह ठूंस कर रहने को विवश किया गया था। बीते रविवार की देर रात में 9वीं-11वीं कक्षा की 40 छात्राएं खिड़कियों से बाहर कूदीं, नंगे पांव चलती रहीं और पुलिस स्टेशन तक पहुंच गईं। रात के अंधेरे में ही एसडीओ (पुलिस) और तहसीलदार दौड़े चले आए और छात्राओं की शिकायतें सुनीं। छात्रावास की वार्डन और कार्यवाहक प्रिंसिपल को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया।

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है

# नितिन नवीन की नई टीमः नई ऊर्जा और नया संतुलन

**भारतीय** जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है। राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है। पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात नितिन नवीन ने पूरी तरह से 'पुराना हटाओ, नया लाओ' की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है। यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है। नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं के संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। वास्तव में नितिन नवीन की नई टीम का सबसे बड़ा संदेश 'रीसेट' नहीं, 'रीकैलिब्रेशन' है- अर्थात संगठन को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण के अनुरूप उसकी दिशा और गति को पुनर्संतुलित करना। वरिष्ठ नेताओं का अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भूमिका, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक विविधता और पेशेवर दक्षता-इन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास दिखाई देता है। नई टीम में 65 पदाधिकारियों में बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की बात भी सामने आई है, जो संगठन में पीढ़ीगत बदलाव की गति को दर्शाती है। अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकर्ताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा। कुल मिलाकर यह टीम भाजपा की उस राजनीति की तस्वीर प्रस्तुत करती है जिसमें अनुभव को विरासत, युवा ऊर्जा को भविष्य और सामाजिक विविधता को विस्तार का माध्यम बनाया गया है। यदि नितिन नवीन इस टीम की क्षमताओं को एक साझा संगठनात्मक लक्ष्य में बदल पाए, तो यह परिवर्तन केवल भाजपा के पदाधिकारियों की सूची में बदलाव नहीं रहेगा, बल्कि पार्टी की कार्यशैली, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति में दिखाई देने वाला परिवर्तन बन सकता है।

17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है। राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है।

कुछ अलग

# स्थगित हो जाने का सुख

**हमारे** दिन बहुत बुरे गुजरे। अब भी उनके भले हो जाने का कोई अंदेशा नहीं। देखते ही देखते जिंदगी से सब कुछ गैर-हाजिर होता चला गया, लेकिन इन पर लेबल चस्पां कर दिए गए कि सब कुछ हाजिर है। जिन अच्छे दिनों का वायदा किया गया था, वे तुम्हारे करीब आ गए। 80 वर्ष बीत गए आजादी के। एक नया भारत बना देने का संकल्प सदा रहा। इसी बात का उत्सव मना लो। लेकिन बंधु, हथेली पर सरसों नहीं उगती। सदियों की गरीबी, पिछड़ापन क्या केवल 80 वर्ष में कट जाता? अब बदलाव की नींव बनाने का संकल्प लक्ष्य में बदल दिया है। अभी नया ढांचा बनाने के लिए कदम उठेंगे, जब अपने आजाद होने की पहली सदी मनाओगे, तब यह ढांचा अवश्य अपना प्रतिदान देने लगेगा। क्या अपनी जिंदगी के कायाकल्प के लिए इतना भी इंतजार नहीं कर सकते? यह भी तो कहा जा रहा है कि तुम्हारा पिछड़ापन इतना गहरा है कि यह अभी रूप परिवर्तन नहीं कर पाएगा। लेकिन अभी हमने कह तो दिया कि बदले भारत की नींव रखने की शुरुआत हो गई, सदी पूरी होते न होते, तुम्हें सब कुछ मिल जाएगा। कभी भी न मिले, क्या इससे यह बेहतर नहीं कि फिलहाल सच स्थगित हो जाने का सुख तुम्हें मिल जाए। इसके बाद अगले दो दशक में जब नया चमचमाता हुआ भारत तुम्हें मिल जाएगा तो इससे बड़ा सुख तुम्हारे लिए और क्या होगा? जवाब में मत सुनाना, हमें अपने ये पुराने शेअर। मत कहो, 'कौन जीता है तेरी जुल्फ के सर होने तक। खाक हो जाएंगे हम तुझको खबर होने तक।' ऐसी निराशावादी बातें करने के बजाय ये देखो कि हमने तुम्हें क्या दे दिया। बदलाव यात्रा की इस शुरुआत में हमने तुम्हें नोटबंदी दे दी थी, अर्थात सौ रुपए से ऊपर सब पुराने नोट वापस लेकर काले धन पर कुठाराघात किया था।

देश दुनिया से

# जनसंपर्क में उत्कृष्टता : महारत की निरंतर खोज

### निरंतर सीखने, रणनीतिक सोच, रचनात्मकता और मापनीय प्रभाव से बनता है असाधारण जनसंपर्क

**आज** के तेज़ी से बदलते संचार परिवेश में केवल अच्छा संचार करना ही पर्याप्त नहीं है। जनसंपर्क के क्षेत्र में वास्तविक उत्कृष्टता वह क्षमता है, जो एक संचारक को केवल संदेश प्रसारित करने वाले व्यक्ति से आगे बढ़ाकर एक विश्वसनीय रणनीतिक सलाहकार, प्रभावी संबंध-निर्माता और स्थायी प्रभाव के निर्माता के रूप में स्थापित करती है। प्रश्न यह है कि जब अच्छा संचार पर्याप्त नहीं रह जाता, तो पीआर को असाधारण पीआर में क्या बदलता है? इसका उत्तर उत्कृष्टता की उस निरंतर खोज में निहित है, जिसमें सीखना, नवाचार, सटीकता, जिम्मेदारी और परिणामों के प्रति प्रतिबद्धता शामिल होती है।

**उत्कृष्टता के प्रमुख केंद्र बिंदु**

जनसंपर्क में महारत प्राप्त करने के लिए निरंतर सीखने के माध्यम से विशेषज्ञता विकसित करना आवश्यक है। केवल संचार तक सीमित रहने के बजाय रणनीतिक सोच को अपनाना, सार्थक प्रभाव पैदा करने वाली रचनात्मकता को बढ़ावा देना तथा सटीकता, गुणवत्ता और बारीकियों पर विशेष ध्यान देना उत्कृष्टता की मजबूत नींव तैयार करता है। आज के डिजिटल और तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती तकनीकों को अपनाना भी आवश्यक हो गया है। हालांकि, केवल प्लेटफॉर्म और तकनीक को समझना पर्याप्त नहीं है; जनसंपर्क की वास्तविक सफलता लोगों, उनकी भावनाओं, अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को समझने में निहित है।उत्कृष्ट जनसंपर्क के लिए जिम्मेदारी के साथ गति, केवल गतिविधियों तक सीमित न रहकर वास्तविक प्रभाव को मापने की क्षमता तथा असफलताओं और संकटों से सीखने का दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अपेक्षाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करना, प्रत्येक हितधारक के लिए मूल्य सृजित करना और निरंतर सुधार की संस्कृति विकसित करना उत्कृष्टता की यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाते हैं।

**जनसंपर्क में उत्कृष्टता के प्रमुख आधार**

-निरंतर सीखने के माध्यम से विशेषज्ञता
-संचार से आगे बढ़कर रणनीतिक सोच
-सार्थक प्रभाव पैदा करने वाली रचनात्मकता
-सटीकता, गुणवत्ता और बारीकियों पर ध्यान
-एआई और उभरती तकनीकों को अपनाना
-केवल प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि लोगों को समझना
-जिम्मेदारी के साथ गति
-केवल गतिविधि नहीं, बल्कि प्रभाव को मापना
-असफलताओं और संकटों से सीखना
-अपेक्षाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करना
-प्रत्येक हितधारक के लिए मूल्य सृजित करना
-निरंतर सुधार की संस्कृति विकसित करना

**पीआर में उत्कृष्टता क्यों महत्वपूर्ण है?**

**विश्वास का निर्माण** : उत्कृष्टता ऐसा विश्वास अर्जित करती है, जो केवल सूचना के आदान-प्रदान से कहीं अधिक समय तक टिकता है। जब संचार में विश्वसनीयता, पारदर्शिता और गुणवत्ता होती है, तब संस्थाओं और हितधारकों के बीच मजबूत विश्वास का निर्माण होता है।

**प्रतिष्ठा को मजबूत बनाती है** : उत्कृष्टता ऐसी प्रतिष्ठा का निर्माण करती है, जो समय की कसौटी पर खरी उतरती है। एक मजबूत प्रतिष्ठा केवल प्रचार से नहीं, बल्कि निरंतर गुणवत्ता, जिम्मेदार व्यवहार और सार्थक संवाद से निर्मित होती है।

**प्रभाव को सार्थक बनाती है** : उत्कृष्टता यह सुनिश्चित करती है कि संचार केवल संदेश देने तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक और मापनीय प्रभाव पैदा करे। प्रभावी जनसंपर्क का मूल्य उसके द्वारा उत्पन्न सकारात्मक परिवर्तन और परिणामों से निर्धारित होता है।

**टीम को प्रेरित करती है** : उत्कृष्टता लोगों को अपेक्षाओं से आगे बढ़कर बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। जब संगठन में उच्च मानकों और निरंतर सुधार की संस्कृति विकसित होती है, तो पूरी टीम अधिक रचनात्मक, जिम्मेदार और परिणामोन्मुखी बनती है।

**विरासत का निर्माण करती है** : आज की उत्कृष्टता ही कल की प्रेरणादायी विरासत बनती है। श्रेष्ठ कार्य, मजबूत संबंध और सकारात्मक प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत बनते हैं। जनसंपर्क में उत्कृष्टता कोई मंज़िल नहीं है; यह हर संदेश, हर संबंध और हर प्रभाव को बेहतर बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता है।

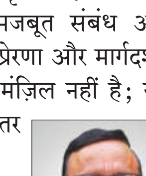

**-डॉ. अजय कुमार अग्रवाल**
राष्ट्रीय अध्यक्ष-इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस
ब्रिटिश संसद, लंदन में भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स धारक
ग्लोबल आइकन अवॉर्ड, दुबई से सम्मानित

आप का नज़रिया

# उफ! यह पर्यटन

**भीड़** पर्यटन या पर्यटन की भीड़ में हिमाचल की व्यवस्था कहां है। इन दिनों बैसाखियों पर पर्यटन की हिफाजत में अगर ट्रैफिक जाम के बीच स्थानीय जीवन फंस रहा है, तो हमें तय करना होगा कि इस रफ्तार में हासिल क्या है। सुरंग से कांगड़ा तक का सफर तीन घंटे का हो जाए, तो इस उफ में हजारों कांटे हैं। कुछ इसी तरह का सफर शिमला गंतव्य को विचलित कर रहा है। पर्यटन कोई मजदूरी या मजबूरी नहीं कि हम घास काटते मिलें। हिमाचल के पर्यटन गंतव्य को भीड़, अगंभीर और शरारती पर्यटक से बचाने की जरूरत है। हमने तब भी सरकार की उस घोषणा को अस्वीकार करते हुए लिखा था कि हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों की अभिलाषा करना सही नहीं है और अब फिर दोहराएंगे कि सैलानियों की गेड़ी में पर्यटन नहीं है, बल्कि हिमाचल में दिन-रात को जीना पर्यटन है। विडंबना यह है कि बरसाती मौसम के धार्मिक पर्व, मेले और अनुष्ठान सिर्फ सडक़ों पर भीड़ खड़ी करने का सबब बन जाते हैं। असंख्य दोपहिया वाहन और पुराने वाहनों के ट्रायल जिस तरह हिमाचल का रुख अख्तियार करते हैं, मुसीबत के पहाड़े सडक़ों पर ट्रैफिक जाम दिखते हैं। बेशक सडक़ों का सशक्तिकरण हो रहा है, लेकिन बरसात में फोरलेन की चौड़ाई भी ल्हासों के कारण टू लेन हो जाती है। बरसाती ट्रैफिक जाम सामान्य नहीं, बल्कि रोड कंडीशन, बरसाती आपदा और अनियंत्रित पर्यटन के कारण होती है। विडंबना यह है कि हमने पर्यटन का न तो शिष्टाचार विकसित किया और न ही इसके मूड की आचार संहिता बनाई। ट्रैफिक को न तो वाहनों के कुशल संचालन में समझा और न ही परिवहन की सार्वजनिक जिम्मेदारी को अलंकृत किया। खास तौर पर पर्यटन गंतव्य को इस भीड़ की मारामारी का शिकार होना पड़ता है। इसके लिए वार्डर पर्यटन तथा धार्मिक पर्यटन का विस्तार अहम है। प्रदेश यह समझने में असफल है कि कुल पर्यटकों का अस्सी फीसदी भाग केवल धार्मिक ढंग से यात्रा करना चाहता है। यानी दोपहिया वाहनों पर झंडे, स्पीकर और बिना हेल्मेट के चलने की निरंकुश प्रथा अबाधित रहे। हमारी पुलिस भी इस सबके बीच मूकदर्शक है, जबकि ऐसे सैलानियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य की है। सुरक्षित पर्यटन की अवधारणा में हर गंतव्य की अलग से योजनाएं बननी चाहिएं। कुल्लू-मनाली अगर सबसे व्यस्त गंतव्य है, तो वहां तक परिवहन के हर माध्यम को एक सलीका सिखाना होगा। यही सब शिमला से मकलोडगंज की दुश्वारियों में समझना होगा, जबकि धार्मिक स्थलों में पर्य्यटन अनुशासन के लिए व्यवस्था बदलनी पड़ेगी। हिमाचल में काशी की तरह हर धार्मिक स्थल की अधोसंरचना में भीड़ नियंत्रण की अहर्ताएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा प्रमुख डेस्टिनेशन में ग्रीन टैक्स लागू करने की पद्धति विकसित करनी चाहिए ताकि गंतव्य स्थलों पर ढांचागत सुविधाएं बेहतर हो सकें और यह स्थल गंभीर या हाई एंड टूरिस्ट के योग्य हों। बरसाती पर्यटन की तहजीब बदलने के लिए पुलिस चौकसी विभिन्न प्रवेश द्वारों से शुरू होनी चाहिए। पर्यटन पंजीकरण की पद्धति विकसित करते हुए ऐप के जरिए रोड मैप तैयार किया जा सकता है। अधिक ट्रैफिक या भीड़ वाले क्षेत्रों से हटकर विकल्प ऐप के जरिए पर्यटक को देंगे तो वह अपने गंतव्य में परिवर्तन कर पाएगा। समस्त पर्यटक स्थलों को क्षमता के अनुरूप ही सैलानियों के विजिट मंजूर करने होंगे। प्रदेश को चाहिए कि पर्यटक भीड़ देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पुलिस बंदोबस्त में विशेष सुधार लाए और इसके लिए स्थायी हल 'पर्यटन पुलिस' का गठन है।

सुरंग से कांगड़ा तक का सफर तीन घंटे का हो जाए, तो इस उफ में हजारों कांटे हैं। कुछ इसी तरह का सफर शिमला गंतव्य को विचलित कर रहा है। पर्यटन कोई मजदूरी या मजबूरी नहीं कि हम घास काटते मिलें। हिमाचल के पर्यटन गंतव्य को भीड़, अगंभीर और शरारती पर्यटक से बचाने की जरूरत है। हमने तब भी सरकार की उस घोषणा को अस्वीकार करते हुए लिखा था कि हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों की अभिलाषा करना सही नहीं है और अब फिर दोहराएंगे कि सैलानियों की गेड़ी में पर्यटन नहीं है, बल्कि हिमाचल में दिन-रात को जीना पर्यटन है। विडंबना यह है कि बरसाती मौसम के धार्मिक पर्व, मेले और अनुष्ठान सिर्फ सडक़ों पर भीड़ खड़ी करने का सबब बन जाते हैं। असंख्य दोपहिया वाहन और पुराने वाहनों के ट्रायल जिस तरह हिमाचल का रुख अख्तियार करते हैं, मुसीबत के पहाड़े सडक़ों पर ट्रैफिक जाम दिखते हैं। बेशक सडक़ों का सशक्तिकरण हो रहा है, लेकिन बरसात में फोरलेन की चौड़ाई भी ल्हासों के कारण टू लेन हो जाती है। बरसाती ट्रैफिक जाम सामान्य नहीं, बल्कि रोड कंडीशन, बरसाती आपदा और अनियंत्रित पर्यटन के कारण होती है। विडंबना यह है कि हमने पर्यटन का न तो शिष्टाचार विकसित किया और न ही इसके मूड की आचार संहिता बनाई।

दृष्टि कोण

# एनालॉग पनीर को लेकर उपभोक्ताओं में असमंजस

**देश** में एक अजीब विरोधाभास खुलकर सामने आया है। केंद्र सरकार की खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एनालॉग पनीर को कभी गैरकानूनी नहीं ठहराया, बल्कि उसे बनाने और बेचने की छूट दी, बस इतनी शर्त रखी कि पैकेट पर साफ-साफ लिखा हो कि यह असली दूध से नहीं बना है। इसके बावजूद महाराष्ट्र, गुजरात के बाद अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने इस पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी है, जबकि दूसरे सबसे बड़े दूध उत्पादक राज्य राजस्थान में इसके निर्माण और बिक्री पर आज भी कोई रोक नहीं है। यही उलझन अब उपभोक्ताओं से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की चिंता का विषय बन गई है। एनालॉग पनीर देखने, स्वाद और बनावट में बिल्कुल असली दूध के पनीर जैसा लगता है, लेकिन इसे बनाने में दूध की चर्बी या दूध के प्रोटीन की जगह वनस्पति तेल, स्टार्च, सोया या मटर के प्रोटीन और चिपकाने वाले पदार्थ इस्तेमाल किए जाते हैं। कहीं-कहीं तो सोडा और वनस्पति घी से नकली दूध और फ्रेंच चॉक यानी सेलखड़ी से नकली मावा तक तैयार किया जा रहा है। इसकी लागत असली पनीर से कहीं कम आती है, इसलिए होटल, ढाबों, रेस्तरां और खानपान के बड़े कारोबार में इसका खुलकर इस्तेमाल हो रहा है। समस्या तब पैदा होती है जब इसे उसी कीमत पर, बिना किसी सूचना के, असली दूध के पनीर के नाम पर बेचा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते आए हैं कि इस तरह के उत्पादों में मिलने वाली औद्योगिक चर्बी हृदय रोग का खतरा बढ़ाती है और इससे शरीर को कोई पोषण संबंधी लाभ नहीं मिलता। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि इस तरह की औद्योगिक चर्बी का कोई ज्ञात स्वास्थ्य लाभ नहीं है। इसके नियमित सेवन से पेट में संक्रमण, अम्लता, यकृत पर बुरा असर और खराब वसा का स्तर बढ़ने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। साथ ही इसमें असली दूध के मुकाबले प्रोटीन और कैल्शियम कम, जबकि सोडियम और शोधित स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे उपभोक्ता कीमत तो दूध के पनीर जितनी चुकाता है, लेकिन पोषण उतना नहीं पाता। केंद्र सरकार का रुख शुरू से ही सतर्क रहा है। उसने इसे पूरी तरह हानिकारक मानने से इनकार किया है, इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर इसके उत्पादन पर कभी रोक नहीं लगाई गई। महाराष्ट्र की पहल के बाद केंद्रीय प्राधिकरण ने एक परिपत्र जरूर जारी किया, जिसमें होटलों को अपने भोजन-सूची में यह बताना अनिवार्य किया गया कि इस्तेमाल हो रहा पनीर असली है या एनालॉग। लेकिन व्यवहार में यह नियम बाजार में बहुत कम ही लागू होता दिखा, क्योंकि खुले बाजार में बिना किसी सूचना के यह उत्पाद खपता रहा। यही वजह रही कि कई राज्य सरकारों ने केंद्र के नरम रुख से आगे बढ़कर सख्त कदम उठाए। छत्तीसगढ़ में तीस जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री ने एनालॉग पनीर के इस्तेमाल और बिक्री पर सीधी रोक की घोषणा की। मध्य प्रदेश सरकार ने भी कहा कि सेहत से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा और राज्य में इसके निर्माण-बिक्री पर पाबंदी लगाई जाएगी, साथ ही प्राकृतिक दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे पहले गुजरात और महाराष्ट्र भी एनालॉग पनीर, चीज और मक्खन के खिलाफ कार्रवाई कर चुके हैं। इन राज्यों का कहना है कि जब तक निर्माण पर ही रोक नहीं लगेगी, तब तक अकेले सूचना अंकन का नियम बेईमान कारोबारियों को धोखाधड़ी से नहीं रोक पाएगा। इसके उलट राजस्थान में तस्वीर बिल्कुल अलग है। देश के कुल दूध उत्पादन में लगभग पंद्रह प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यह दूसरा सबसे बड़ा दूध उत्पादक राज्य है, फिर भी यहां पनीर, मावा, घी जैसे एनालॉग उत्पादों के निर्माण-बिक्री पर अलग से कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है।

# कार्तिक त्यागी ने की रिंकू सिंह की तारीफ, कहा वह दुनिया के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल

लखनऊ

मेवरिक्स के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने अपनी टीम के कप्तान रिंकू सिंह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया के शीर्ष पांच फिनिशरों में शामिल बताया है। त्यागी ने कहा कि दबाव की परिस्थितियों में डेथ ओवरों में जिस तरह रिंकू मैच का रुख बदलते हैं, वह उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में खड़ा करता है।

त्यागी की यह टिप्पणी यूपी टी20 लीग के चौथे सत्र के आठवें मुकाबले में रिंकू की शानदार मैच जिताऊ पारी के बाद आई है। खेले गए मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स के सामने लखनऊ फाल्कन्स ने 184 रन का लक्ष्य रखा था। बारिश के कारण मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

17वें ओवर में मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पार स्कोर से पीछे थी। ऐसे समय में रिंकू ने नवनीत कुमार के ओवर में पांच गेंदों पर 26 रन ठोककर मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए और मेरठ को 16.5 ओवर में छह विकेट पर 154 रन तक पहुंचाया।

भारी बारिश के कारण खेल रुकने के समय मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न लक्ष्य से पांच रन आगे थी और उसने अप्रत्याशित जीत दर्ज की।

कार्तिक त्यागी ने कहा, जिस नंबर पर वह बल्लेबाजी करने आते हैं और जिस तरह अंत में प्रदर्शन करते हैं, अगर पूरी दुनिया को देखें तो वह इस नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले और इस तरह मैच पर दबदबा बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में लगभग शामिल हैं। जब तक वह क्रीज पर रहते हैं, हमें हमेशा भरोसा रहता है कि हालात चाहे जैसे हों, मैच हमारे पक्ष में किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने जितनी मेहनत की है, यहां शायद ही किसी ने उतनी मेहनत की हो। उसी मेहनत का नतीजा उन्हें मिलता है और हमारी टीम को भी उसका फायदा होता है।

त्यागी 2026 आईपीएल में रिंकू के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहे थे और अब मेरठ मेवरिक्स में उनकी कप्तानी में खेल रहे हैं।

रिंकू की कप्तानी की भी तारीफ करते हुए त्यागी ने कहा कि उनका आक्रामक रवैया पूरी टीम में आत्मविश्वास भरता है। उन्होंने कहा, उनकी कप्तानी में खेलने से काफी आत्मविश्वास मिलता है। उनका रवैया देखें तो हम मैदान पर इस मानसिकता के साथ उतरते हैं कि हमें सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि दबदबा बनाना है।

## न्यूज ब्रीफ

### सिनक्विफील्ड कपः आर्मगेडन में हार के बाद प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर रहे

**सेंट लुइस।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिनक्विफील्ड कप में उपविजेता के रूप में अपना अभियान समाप्त किया। खिताब के लिए हुए आर्मगेडन मुकाबले में उन्हें अमेरिका के वेस्ली सो के हाथों हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंद ने अंतिम क्लासिकल मुकाबले में नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के खिलाफ बाजी ड्रा खेली। इसके बाद उन्हें शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो के खिलाफ टाईब्रेकर खेलना पड़ा। सो ने काले मोहरों से ड्रा हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। नियमों के मुताबिक, बराबरी की स्थिति में पहले दो रैपिड बाजियां खेली जाती हैं। अगर इसके बाद भी फैसला नहीं होता है तो आर्मगेडन मुकाबला कराया जाता है, जिसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को पांच मिनट और काले मोहरों वाले खिलाड़ी को चार मिनट दिए जाते हैं। प्रज्ञानानंद और सो के बीच दोनों रैपिड बाजियां ड्रा रहीं, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद हुए आर्मगेडन मुकाबले में सो ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और खिताब पर कब्जा जमाया। हालांकि, दूसरे स्थान पर रहने का 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को बड़ा फायदा मिला। उन्होंने ग्रैंड चेस टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जिसका आयोजन 22 अगस्त से होगा। ग्रैंड चेस टूर फाइनल में प्रज्ञानानंद के अलावा वेस्ली सो, फैबियानो करूआना और विंसेंट कीमर हिस्सा लेंगे। ये चारों खिलाड़ी ग्रैंड चेस टूर की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थानों पर रहे। सिनक्विफील्ड कप में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहने वाले जावोखिर सिंदारोव केवल आधे अंक से क्वालीफाई करने से चूक गए।

### सिनसिनाटी ओपन में बड़ा उलटफेर, दुनिया की नंबर एक सबालेंका को सारा बेजलेक ने हराया

**सिनसिनाटी।** दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को सिनसिनाटी मास्टर्स के चौथे दौर में चेक गणराज्य की सारा बेजलेक के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। बेजलेक ने सबालेंका को 7-6 (9-7), 6-4 से हराकर पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की। सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 35वीं रैंकिंग की बेजलेक ने अपनी बेहतरीन मूवमेंट और लगातार दबाव के दम पर मुकाबले में वापसी की। उन्होंने टाईब्रेक में 9-7 से पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में बेजलेक ने सबालेंका की सर्विस तीन बार तोड़ी। इसके बाद उन्होंने शानदार अंदाज में मैच खत्म किया। आखिरी गेम में उन्होंने एक भी अंक गंवाए बिना जीत दर्ज की और मैच का अंत ऐस के साथ किया। जीत के बाद बेजलेक ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह अविश्वसनीय महसूस हो रहा है। इस साल अबू धाबी में हार्ड कोर्ट खिताब जीत चुकी बेजलेक अब अगले दौर में अमेरिका की मैडिसन कीज का सामना करेंगी। वहीं, सबालेंका के लिए अमेरिकी ओपन से पहले यह लगातार दूसरा निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले सप्ताह वह टोरंटो मास्टर्स के चौथे दौर में बाहर हो गई थीं। इससे पहले विंबलडन में भी उन्हें चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में उनका सफर समाप्त हुआ था।

### इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 171 रनों पर समेटा, राबिन्सन और टंग ने लिए पांच-पांच विकेट

**लंदन।** ओली राबिन्सन और जोश टंग की घातक गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में मेहमान टीम पाकिस्तान को 171 रनों पर ही समेट दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम इंग्लैड ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में दो विकेट के नुकसान पर 112 रन बना लिए थे। इस मैच में मेजबान टीम ने टास जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती ओवरों में ही उसने विकेट गंवाने शुरु कर दिये। मैच की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओली राबिन्सन ने सलामी बल्लेबाज अजान ओवैस को पवेलियन भेज दिया। पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ी मेजबान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ही पचास रन बना पाये। शफीक ने 104 गेंदों पर 61 रन बनाए। उनके अलावा, इमाम-उल-हक ने 42 रन बनाये। नियमित कप्तान बाबर आजम के बाहर होने के कारण सलमान आगा को इस मैच में कप्तानी दी गयी है। इंग्लैंड की ओर से ओली राबिन्सन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 18 ओवर में 51 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि जोश टंग ने 9.1 ओवर में 46 रन देकर 5 विकेट लिए।

# श्रीलंका के खिलाफ जीत से भारतीय टीम के अंत प्रतिशत 53.33 पहुंचे, डब्यूटीसी फाइनल की उम्मीदें बरकरार

मुम्बई

**भारतीय टीम की श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में जीत के साथ उसके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की राह बन गयी है।**

भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में 165 रनों से हरा दिया था। जिससे डब्यूटीसी अंक तालिका में वह भले ही पांचवें स्थान पर ही पर उसके अंक प्रतिशत बढ गये हैं। भारतीय टीम के अंक प्रतिशत अब 53.33 हो गये है। आस्ट्रेलिया अभी भी शीर्ष पर बरकरार है पर उसका अंक प्रतिशत नीचे आया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका दूसरे जबकि न्यूजीलैंड तीसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर हैं।

गौरतलब है कि डब्यूटीसी 2025-27 चक्र में भारतीय टीम को अभी कुल आठ टेस्ट मैच खेलने हैं। इन मुकाबलों में भारतीय टीम को श्रीलंका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से खेलना है। फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को बचे हुए आठ मैचों में से कम से कम सात जीतने होंगे। यदि भारतीय टीम इंडिया यह लक्ष्य हासिल कर लेती है, तो उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 68.51 हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, अगर भारतीय टीम अपने सभी आठों शेष मुकाबले जीतने में कामयाब होती है, तो उसका अंक प्रतिशत 74.07 तक पहुंच जाएगा। गौरतलब है कि डब्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कोई तय अंक प्रतिशत नहीं है। ये अन्य टीमों के प्रदर्शन और उनके परिणामों पर भी काफी हद तक निर्भर करता है। आमतौर पर, 70 प्रतिशत से अधिक पीसीटी वाली टीमें फाइनल में जगह बना लेती हैं, लेकिन पिछले कुछ संस्करणों में यह नियम हमेशा लागू नहीं हुआ है। भारतीय टीम का फाइनल में पहुंचना केवल उसके अपने शानदार प्रदर्शन पर ही नहीं, बल्कि प्रतिद्वंद्वी टीमों के मैचों के परिणामों और उनके अंत प्रतिशत पर भी निर्भर करेगा। श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टीम का एक और टेस्ट मैच कोलंबो में खेला जाना है, जिसके बाद उसे न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। अक्टूबर-नवंबर के महीने में भारतीय टीम न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद उसे आस्ट्रेलिया से खेलना है। इन सभी में जीत के साथ ही वह फाइनल में प्रवेश कर सकती है।

### टेस्ट क्रिकेट मेरी पहली प्राथमिकता : पडिक्कल

**गाल।** श्रींलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का लक्ष्य हर अवसर का लाभ उठाते हुए इस प्रारुप में अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी जगह पक्की करना है। पडिक्कल को दो साल के बाद टेस्ट टीम में वापसी का अवसर मिला था जिसका उनहोंने पूरा लाभ उठाया। इस बल्लेबाज ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपने प्रदर्शन से उत्साहित पडिक्कल ने स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट उनका अंतिम लक्ष्य है और वे अपने खेल को इसी के अनुसार ढाल रहे हैं। पडिक्कल ने कहा, मैं हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट रहा हूं कि टेस्ट क्रिकेट मेरा अंतिम लक्ष्य है। इसलिए मैंने अपने खेल को इस तरह ढालने की कोशिश की है कि मैं अपनी बुनियादी तकनीक के साथ खेलते रहूं। मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि जब भी जरूरत हो मैं लाल गेंद के क्रिकेट में आसानी से ढल सकूं क्योंकि यह मेरी पहली प्राथमिकता है। पडिक्कल ने हालांकि ये स्वीकार किया कि सीमित ओवरों और टेस्ट क्रिकेट के बीच लगातार बदलाव करना आसान नहीं है, और इसके लिए उन्हें अपनी बल्लेबाजी में सावधानीपूर्वक बदलाव करने पड़ते हैं। पडिक्कल ने कहा कि प्रारुप के अनुसार वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा, सफेद गेंद के क्रिकेट में मेरी बल्लेबाजी की एक अलग तैयारी होती है। इससे मैं अधिक शाट खेल सकता हूं और अपने हाथों को थोड़ा खुला रखता हूं। लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट में इस पहलू को थोड़ा कसकर रखना जरूरी है। इसमें हाथ शरीर के कुछ ज्यादा करीब रखने पड़ते हैं। तकनीकी बदलावों के साथ-साथ, उन्होंने मानसिक बदलाव को भी उतना ही महत्वपूर्ण बताया। उनका मानना है कि लगातार सफेद गेंद से लाल गेंद के क्रिकेट में आने-जाने के कारण यह आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसमें सुधार किया है और आगे भी बेहतर करने की उम्मीद रखते हैं।

# मोंटी देसाई ने छोड़ा कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद

टोरंटो

**कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम को अब नए मुख्य कोच की तलाश है। टीम के मुख्य कोच मोंटी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। देसाई मई में दूसरी बार कनाडा की टीम से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में टीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 की दो त्रिकोणीय श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया, जिसमें एक श्रृंखला कनाडा में और दूसरी स्काटलैंड में खेली गई। देसाई के जाने के समय कनाडा के विश्व कप लीग-2 अभियान में चार मुकाबले बाकी हैं। टीम शीर्ष चार में जगह बनाने से छह अंक पीछे है और उसके सामने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर प्ले-आफ में खेलने का खतरा मंडरा रहा है।**

यह पुनः क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के क्वालीफायर के लिए चार स्थान तय करेगी।

देसाई का कनाडा के साथ यह दूसरा कार्यकाल था। इससे पहले वह 2019 में नामीबिया में विश्व क्रिकेट लीग-2 अभियान के दौरान टीम के कोच रह चुके हैं।

पद छोड़ने के बाद देसाई ने सोशल मीडिया पर कहा, यह छोटा अध्याय था, लेकिन मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। हर माहौल आपको कुछ नया सिखाता है। इस अनुभव ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया कि निरंतर सफलता समय, विश्वास, तैयारी, मजबूत रिश्तों और सामूहिक जिम्मेदारी से बनती है।

उन्होंने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और इस सफर में साथ रहे सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा, मैं बनाए गए रिश्तों, मिली सीख और योगदान देने के अवसर के लिए आभारी हूं।

मोंटी देसाई को कोचिंग का 20 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमों के साथ भी काम किया है। नेपाल के साथ उनके कार्यकाल में टीम ने क्रिकेट विश्व कप लीग-2 में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा वह 2024 टी20 विश्व कप में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेलने वाली नेपाल की टीम के साथ भी जुड़े रहे।

### प्लेयर आफ द मैच अवार्ड हासिल करने वाले एकमात्र क्यूरेटर हैं क्रिस स्काट

**जोहांसबर्ग।** क्रिकेट इतिहास में क्रिस स्काट एकमात्र ऐसे पिच क्यूरेटर हैं जिन्हें प्लेयर आफ द मैच अवार्ड मिला है जबकि क्रिकेट के मैदान पर प्लेयर आफ द मैच असाधारण प्रदर्शन के लिए किसी बल्लेबाजों या गेंदबाज को दिया जाता है। पिच क्यूरेटर क्रिस स्काट को ये पुरस्कार इसलिए दिया गया था क्योंकि उन्होंने अपनी टीम के साथ असाधारण प्रयास कर भारी बारिश से गीले हुए मैदान को खेलने लायक बनाया था जिससे मैच रद्द होने से बच गया था। ये वाकया दिसंबर 2000 का है तब दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच यहां खेला गया मैच बारिश के कारण धुलने की आशंका थी पर स्काट और उनकी टीम ने दिन-रात की मेहनत कर बारिश से धुलते दिख रहे मुकाबले को बचाया। यह मामला दक्षिण अफ्रीका के वांडरर्स स्टेडियम में खेले जा रहे तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले का है। दक्षिण अफ्रीका पहले ही शुरुआती दोनों टेस्ट जीतकर सीरीज जीत गया था, वहीं तीसरे मैच में हो रही बारिश ने इसे आयोजित करना लगभग असंभव बना दिया था। मैच के पहले और चौथे दिन का खेल तक नहीं हो पायाकथा। मैदान में जगह-जगह पानी भर गया था और ऐसा लग रहा था कि यह मुकाबला आगे नहीं हो पायेगा पर स्काट और उनकी टीम ने हार नहीं मानी।

# भारत की उन्नति बीडब्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप से बाहर हुई, राउंड आफ-32 में कनाडा की अनुभवी खिलाड़ी मिशेल ने हराया

नई दिल्ली

भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा बीडब्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में मिली हार के साथ ही बाहर हो गयी है। उन्नति को राउंड आफ-32 में कनाडा की अनुभवी खिलाड़ी मिशेल ली ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले के बाद 21-11, 9-21, 23-21 से हरा दिया। तकरीबन एक घंटे तक चले इस मुकाबले में

उन्नति ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया पर इसके बाद भी मुकाबला उनके हाथ से निकल गया। इस भारतीय खिलाड़ी ने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में कनाडाई खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए पहल गेम जीता। इसके बाद ली ने वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। वहीं तीसरे और अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच हर अंक के लिए कड़ा संघर्ष हुआ। उन्नति ने मैच अंक हासिल कर लिया पर इसके बाद भी वह मुकाबला जीत नहीं पायीं। अंत में ली ने 23-21 से गेम जीत लिया।

उन्नति ने शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार चार अंक हासिल कर 4-1 की शुरुआती बढ़त बना ली। उन्होंने हाफ टाइम तक 11-8 की बढ़त बना ली। उन्नति ने ली को हर अंक के लिए संघर्ष करने पर मजबूर किया और उनकी कुछ गलतियों का लाभ उठाते हुए पहला गेम आसानी से 21-11 से जीत लिया।

दूसरे गेम की शुरुआत भी उन्नति ने 3-1 की बढ़त के साथ की, लेकिन इस बार कनाडा की खिलाड़ी मिशेल ने वापसी करते हुए 6-4 की बढ़त बनाई और हाफ टाइम तक स्कोर को 11-5 पर पहुंचा दिया। उन्नति की कुछ अनावश्यक गलतियां का का लाभ कनाडाई खिलाड़ी ने उठाया और बिना किसी परेशानी के दूसरा गेम 21-9 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।निर्णायक और अंतिम गेम में उन्नति ने एक बार फिर शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच अंक बटोरे और 5-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद मुकाबला 20-19 की बढ़त बनाकर मैच अंक हासिल कर लिया। यहां वह दबाव में आ गयीं और मैच अंक नहीं जीत पायीं। अनुभवी ली ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए लगातार अंक हासिल करते हुए निर्णायक गेम 23-21 से जीतकर उन्नति को बाहर कर दिया। उन्नति ने इससे पहले म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में अपनी जगह बनाई थी।

# आकाश चोपड़ा ने ऋषभ को अब तक का सर्वश्रेष्ठ भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बताया

गाल

पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट इतिहास के सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वहीं कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि ऋषभ बेहद प्रतिभाशाली हैं पर परिस्थितियों के हिसाब से नहीं खेलते और तेजी से रन बनाने के प्रयास में वह अपना विकेट गंवा देते हैं, जिससे टीम को नुकसान होता है। वहीं कुछ जानकारों का मानना है कि आक्रामक खेल ही उनकी ताकत है। इससे वह विरोधी टम पर दबाव बना देते हैं। इस बल्लेबज ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपने को साबित किया है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों में संयमित 39 रन बनाए, वहीं दूसरी पारी में, जब टीम को तेज गति से रनों की आवश्यकता थी, उन्होंने मात्र 69 गेंदों में शानदार 66 रन बनाकर अपनी आक्रामक शैली को भी प्रभावी ढंग से दिखाया। उनके इस प्रदर्शन से प्रभावित आकाश ने उन्हें भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज करार दिया है।

आकाश चोपड़ा ने कहा, यह एक बार फिर याद दिलाता है कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में उनसे बेहतर कीपर-बल्लेबाज कोई नहीं हुआ। चोपड़ा ने पंत की निरंतरता, विकेट के पीछे उनकी चुस्ती, और टीम को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से उनकी नान-स्टाप कमेंट्री का उल्लेख किया जो मैदान पर सभी को सक्रिय रखती है। चोपड़ा ने इस क्रिकेटर को एक्स फैक्टर बताते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो आपको टेस्ट क्रिकेट से प्यार करने के लिए मजबूर करते हैं, और ऋषभ निश्चित रूप से उन्हीं में से एक हैं। वह हमेशा भावनाओं को जगाते हैं। चोपड़ा ने बताया, जब आप उन्हें खेलते हुए देखते हैं, तो या तो आप उन्हें पसंद करते हैं, या कभी-कभी उनसे नफरत भी करते हैं। कई बार जब आप उन्हें पसंद भी करते हैं, तब भी आपको लगता है कि कोई खास चीज गलत हो गई है।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि इस क्रिकेटर ने अपने खेल में महत्वपूर्ण सुधार किया है और अब वह परिस्थितियों के हिसाब से कहीं बेहतर खेल रहे हैं। उन्होंने समझाया, जब हालात थोड़े मुश्किल होते हैं, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। चोपड़ा ने माना कि हर खिलाड़ी का एक खास खेलने का तरीका होता है।

### अब इंग्लिश काउंटी में खेलते नहीं दिखेंगे आलराउंडर कीथ बार्कर

**लंदन।** इंग्लिश काउंटी टीम वार्विकशायर के अनुभवी आलराउंडर कीथ बार्कर अब खेलते नहीं दिखेंगे। बार्कर ने खेल को अलविदा कह दिया है। इस क्रिकेटर ने अपने करियर के दौरान कुल 702 विकेट लिए थे। 39 साल के बार्कर ने लगातार चोटिल होने के कारण खेल से संन्यास लिया है। उनका कहना है कि अब शरीर साथ नहीं दे रहा है। उनके अचानक लिए इस फैसले से प्रशंसक और साथ खिलाड़ी हैरान हैं। इस आलराउंडर ने वार्विकशायर के लिए 2009 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। इससे पहले वह हैम्पशायर के साथ सात सफल सीजन बिता चुके थे और फिर एक दशक बाद अपने शुरुआती क्लब में वापसी की। हालांकि, वापसी के बाद से फिटनेस ने उन्हें खासा परेशान किया, और मौजूदा सीजन में वह वार्विकशायर के लिए केवल काउंटी मैचों में ही मैदान पर उतर पाए, जिससे उनके भविष्य को लेकर आशंकाएं लगाई जा रही थीं। अपने 171 फर्स्ट क्लास मैचों में बार्कर ने एक शानदार आलराउंडर के रूप में अपने को साबित किया। अपने करियर में इस क्रिकेटर ने कुल 544 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 46 रन देकर 7 विकेट लेने का था। गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी इस क्रिकेटर ने काफी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 6 शतक और 26 अर्धशतकों की सहायता से 5554 रन बनाए। यह आंकड़े उनकी बहुमुखी प्रतिभा और खेल के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसने उन्हें काउंटी क्रिकेट में एक सम्मानित खिलाड़ी बनाया। सिर्फ फर्स्ट क्लास ही नहीं, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट में भी बार्कर का प्रदर्शन दमदार रहा। 73 लिस्ट ए मैचों में उन्होंने 89 विकेट लिए और 639 रन बनाए, जबकि 65 टी20 मैचों में उनके नाम 69 विकेट और 383 रन दर्ज हैं। इस तरह, तीनों प्रारूपों को मिलाकर उनके करियर में कुल 702 विकेट और 6576 रन दर्ज हैं।

# कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

### दंपती और दो मासूम बच्चों की मौत, अप्पनापल्ली के पास देर रात हुआ हादसा

### बंधुओं के अंतिम संस्कार के कार्यक्रम से लौट रहा था परिवार

सिद्दिपेट, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दुब्बाक मंडल में बुधवार 19 अगस्त की देर रात एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। दुब्बाक मंडल के बलवंतपुर गांव निवासी दंडुगुला राजू, उनकी पत्नी भाग्य और उनके दो छोटे बच्चे निहांश तथा शान्विका कार से सिद्दीपेट से अपने गांव लौट रहे थे। अप्पनापल्ली गांव के बाहरी इलाके में कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खुले कृषि कुएं में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। क्रेन तथा अन्य मशीनरी की मदद से कार को कुएं से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक कार में सवार चारों लोगों की मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, परिवार सिद्दीपेट में एक रिश्तेदार के दसवें दिन के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर वापस बलवंतपुर लौट रहा था। देर रात तक परिवार के घर नहीं पहुंचने और दोनों पति-पत्नी के मोबाइल फोन बंद मिलने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मोबाइल फोन की जानकारी और तलाश के आधार पर अप्पनापल्ली के पास कुएं में कार के होने का पता लगाया। घटना के बाद पुलिस और दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया और कार को बाहर निकाला। कार से चारों शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए दुब्बाक सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान बलवंतपुर निवासी राजू, उनकी पत्नी भाग्य और उनके दो बच्चों निहांश तथा शान्विका के रूप में हुई है। हादसे की वास्तविक वजह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुई है। प्रारंभिक तौर पर कार के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है, जबकि पुलिस रात में वाहन चलाने के दौरान तेज गति, चालक के नियंत्रण खोने या अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। एक ही परिवार के माता-पिता और दो मासूम बच्चों की एक साथ मौत की खबर से बलवंतपुर गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

# एनआईआईएमएच में हिंदी कार्यशाला आयोजित

**हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में 19 अगस्त को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के माध्यम से प्रभावी संवाद और लेखन क्षमता को बढ़ावा देना था।

कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित हुई। प्रथम सत्र में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद की सह-आचार्य डॉ. प्रियदर्शिनी ने 'हिंदी भाषा का अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर विचार रखे। द्वितीय सत्र में अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष एस. माने ने 'हिंदी पत्रिका में लेखन' विषय पर पत्रिका लेखन की बारीकियों की जानकारी दी।

कार्यशाला में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

# डीआईजी अंबर किशोर झा ने किया कोयूर थाना व महादेवपुर सर्कल का निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कालेश्वरम जोन के डीआईजी अंबर किशोर झा (आईपीएस) ने वार्षिक निरीक्षण के तहत भूपालपल्ली जिले के कोयूर पुलिस स्टेशन और महादेवपुर सर्कल इंस्पेक्टर कार्यालय का गहन निरीक्षण किया। एसपी सिरिसेट्टी संकीर्थ (आईपीएस) ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने स्वच्छता, अभिलेख प्रबंधन, शस्त्रागार, अनुशासन, वर्दी रखरखाव और सीसीटीवी सिस्टम की जांच की। उन्होंने अधिकारियों से अपराध नियंत्रण, जन सुरक्षा, सड़क दुर्घटना रोकथाम, सामुदायिक पुलिसिंग तथा सीसीटीएनएस 2.0, साइबर जांच और डिजिटल फोरेंसिक जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास पर जोर दिया। महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और लंबित मामलों का शीघ्र निपटान करने के निर्देश दिए।पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत डीआईजी ने दोनों परिसरों में पौधे भी लगाए। कार्यक्रम में कटारम डीएसपी सूर्यनारायण, दोनों सर्कल इंस्पेक्टर तथा पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

# केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान, सेवा कार्य में जुटे सदस्य

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क वाटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, प्रमोद गुप्ता एवं कमल अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे पुण्यकारी सेवा कार्यों में से एक है और राधे-राधे ग्रुप निरंतर इसी भावना के साथ जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित है।

ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

## आरएसएस को...

इसके बाद 2021 से 2026 तक की रिपोर्टों में भी यूएससीआईआरएफ ने भारत को विशेष चिंता वाले देशों की सूची में शामिल करने की मांग की।

हालांकि, यूएससीआईआरएफ की सिफारिश का अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका ने भारत को आधिकारिक रूप से विशेष चिंता का देश घोषित कर दिया है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आयोग की सिफारिशें सलाहकारी प्रकृति की होती हैं और अंतिम निर्णय अमेरिकी सरकार के अधिकार क्षेत्र में होता है।

**यूएससीआईआरएफ के बारे में जानिए**

यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम, अर्थात यूएससीआईआरएफ, अमेरिका की एक स्वतंत्र सरकारी संस्था है। इसे अमेरिकी कांग्रेस ने वर्ष 1998 के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत स्थापित किया था।

इसके सदस्य अमेरिकी राष्ट्रपति और कांग्रेस के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त किए जाते हैं। यूएससीआईआरएफ का मुख्य कार्य विभिन्न देशों में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति की निगरानी करना और अमेरिकी सरकार को नीतिगत सुझाव देना है।

यह किसी देश, संगठन या व्यक्ति के खिलाफ प्रतिबंध सहित विभिन्न कदम उठाने की सिफारिश कर सकती है, लेकिन अंतिम फैसला अमेरिकी सरकार का होता है। अर्थात, आयोग की सिफारिश के आधार पर प्रतिबंध अपने-आप लागू नहीं होता। इसकी रिपोर्टें अमेरिकी सरकार के निर्णयों और विदेश नीति को प्रभावित कर सकती हैं।

**यूएससीआईआरएफ का काम क्या है...**

विभिन्न देशों में धार्मिक स्वतंत्रता और धार्मिक उत्पीड़न की स्थिति की निगरानी करना।

अपने शोध और जांच के आधार पर वार्षिक रिपोर्ट जारी करना।

अमेरिकी राष्ट्रपति, विदेश मंत्री और कांग्रेस को नीतिगत सिफारिशें देना।

कुछ देशों को विशेष चिंता का देश घोषित करने की सिफारिश करना।

गैर-सरकारी संगठनों अथवा समूहों को विशेष चिंता वाली संस्था या समूह के रूप में चिह्नित करने की सिफारिश करना।

अमेरिकी सरकार से प्रतिबंध, राजनयिक दबाव अथवा अन्य आवश्यक कदम उठाने की सिफारिश करना।

यूएससीआईआरएफ की ताजा टिप्पणियों और मोहन भागवत के प्रस्तावित अमेरिका, कनाडा तथा ब्रिटेन दौरे के बीच यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है।

## माधापुर हादसे...

घटनास्थल के सीसीटीवी में क्या कैद हुआ ? हादसे के बाद चालक ने क्या किया ? क्या नियमों का पालन किया गया ? और सबसे महत्वपूर्णक्या प्रभावशाली परिवार से संबंध होने के कारण जांच पर किसी तरह का दबाव तो नहीं है? पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, कार की गति, हादसे की परिस्थितियों और चालक की भूमिका समेत तमाम सबूत जुटाए जा रहे हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई तय होगी।

लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सड़क पर आम आदमी की जिंदगी की कीमत आखिर कितनी है? अगर आरोपी किसी रसूखदार परिवार से जुड़ा हो तो क्या कानून की कसौटी बदल जाती है ? भारती अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके परिवार को न्याय चाहिएऔर न्याय तभी माना जाएगा जब जांच बिना किसी राजनीतिक या पारिवारिक प्रभाव के निष्पक्ष तरीके से पूरी हो।

राजनीतिक रसूख किसी को कानून से ऊपर नहीं कर सकता। सड़क पर हुई एक मौत को महज हादसा कहकर मामला ठंडे बस्ते में डाल देना आसान हो सकता है, लेकिन भारती के परिवार के लिए यह जिंदगी भर का दर्द है। अब निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर हैं कि क्या वह इस मामले की पूरी सच्चाई सामने लाकर दोषी की जिम्मेदारी तय करेगी, या फिर प्रभावशाली नाम सामने आने के बाद मामला भी बाकी सड़क हादसों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

भीड़भाड़ वाली सड़क पर कथित तौर पर लापरवाही से कार चलाते हुए एक युवती को टक्कर मारने के मामले में घटनाक्रम बताया जा रहा है कि कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवती के सिर में गंभीर चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया।

युवती को टक्कर मारने के बाद संजूष ने कार रोककर स्थिति देखने के बजाय वहां से भागने की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और जमकर फटकार लगाई। बताया गया है कि स्थानीय लोगों ने कार का दरवाजा खोलकर उसे बाहर निकाला।

घटना के बाद अपनी गलती का एहसास होने पर संजूष वापस मौके पर गया। वहां गंभीर रूप से घायल युवती को सड़क पर खून से लथपथ हालत में देखकर वह घबराया हुआ नजर आया। बताया जाता है कि वह कुछ देर तक इधर-उधर घूमता रहा और फोन करता रहा।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने संजूष से घायल युवती को तत्काल अस्पताल ले जाने की मांग की। स्थानीय लोगों के दबाव के बाद संजूष घायल युवती को अस्पताल ले जाने के लिए तैयार हुआ।

घटना के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो अब सामने आए हैं। वीडियो में हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और संजूष के बीच हुई बातचीत तथा उसे कार से बाहर निकालने की स्थिति दिखाई देने का दावा किया जा रहा है।

इस घटना के बाद संजूष के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोप है कि हादसे के बाद पूरे घटनाक्रम को दबाए रखने या मामले को गुप्त रखने की कोशिश की गई, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो सामने आने के बाद मामला सार्वजनिक हो गया।

## जैसे को ...

बढ़ती तनातनी के बीच दोनों देशों की राजधानी में उच्चायोग परिसरों के बाहर की व्यवस्थाओं में बदलाव ने कूटनीतिक हलकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

भारत में अमेरिका के राजदूत तथा दक्षिण और मध्य एशिया के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर के श्रीनगर दौरे ने भी पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है। श्रीनगर में सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

उन्होंने कहा, यह भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसलिए मैं यहां पहली बार आया हूं। यह बेहद खूबसूरत जगह है। यहां आकर मैं बहुत खुश हूं।

अमेरिकी दूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था में हुए सुधार की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र के लिए जारी अपनी यात्रा संबंधी सलाह की समीक्षा कर सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए उठाए गए कदमों को बेहतरीन बताया।

जम्मू-कश्मीर पर अमेरिकी दूत की टिप्पणी को पाकिस्तान की कूटनीतिक चिंता बढ़ाने वाला घटनाक्रम माना जा रहा है।

**पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारी को किया तलब**

सर्जियो गोर के बयान के बाद पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष अपनी नाराजगी जताई। इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास की कार्यवाहक प्रमुख नताली बेकर को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तलब किया और सर्जियो गोर के बयान पर आपत्ति दर्ज कराई।

पाकिस्तान ने सर्जियो गोर की टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया। यानी, एक ओर अमेरिका की तरफ से जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत के पक्ष में बयान सामने आया, तो दूसरी ओर पाकिस्तान ने इसका कड़ा विरोध किया।

पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर से सुरक्षा बैरिकेड हटाने की कार्रवाई इसी बढ़ती तनातनी के बीच हुई है। पहले इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के बाहर पार्किंग पोल हटाए गए और अब नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर भी इसी प्रकार की कार्रवाई की गई है।

दिल्ली और इस्लामाबाद में हुई इन कार्रवाइयों ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच जारी कूटनीतिक तनाव को सुर्खियों में ला दिया है।

## चंपत की...

उन्होंने यह भी लिखा कि कोरोना काल के दौरान जून 2020 में शुरू हुआ पत्थरों का विशाल मंदिर जून 2026 तक पूरा होकर समाज को समर्पित हो गया। चंपत राय ने मंदिर निर्माण की इस पूरी प्रक्रिया में नृपेन्द्र मिश्रा के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

चिट्ठी में मंदिर निर्माण की समयसीमा पूरी होने को निर्माण समिति के समन्वित प्रयासों का परिणाम बताया गया है।

**अनूप मित्तल की भी अहम भूमिका**

चिट्ठी में पूर्व राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के अध्यक्ष अनूप मित्तल का भी उल्लेख किया गया है। चंपत राय के मुताबिक, मित्तल सिविल इंजीनियर के रूप में नृपेन्द्र मिश्रा के इंजीनियरिंग सलाहकार रहे और मंदिर निर्माण समिति की बैठकों में नियमित रूप से शामिल होते थे।

चिट्ठी के अनुसार, नृपेन्द्र मिश्रा के लिखित कार्य भी अनूप मित्तल द्वारा तैयार किए जाते थे।

**चिट्ठी में व्यवस्था और निर्माण प्रक्रिया पर जोर**

चंपत राय की नौ पेज की चिट्ठी में मंदिर ट्रस्ट की वित्तीय व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं, निर्माण समिति की भूमिका तथा मंदिर निर्माण से जुड़े प्रमुख निर्णयों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। इसमें एलएंडटी और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स के चयन से लेकर वास्तुकार और निर्माण समिति से जुड़े लोगों की भूमिका तक की जानकारी दी गई है। राम मंदिर निर्माण से जुड़े विवाद और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर चल रही चर्चाओं के बीच यह चिट्ठी सामने आने से मंदिर निर्माण की प्रक्रिया और उसके प्रशासनिक ढांचे को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

## पत्नी और बहन...

मामला अदालत में भी विचाराधीन था। दोनों कुछ समय से अलग रह रहे थे।

**व्हाट्सऐप स्टेटस से सामने आई हत्या की योजना**

पुलिस के मुताबिक, वारदात से पहले मानस के व्हाट्सऐप स्टेटस पर कुछ ऐसे संदेश लिखे गए थे, जिनमें उसने पत्नी की हत्या करने की बात कही थी। इसके साथ ही उसने पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाया था और अपनी बहन तथा खुद को भी मारने की बात लिखी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह स्टेटस देखने के बाद लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। पुलिस अब व्हाट्सऐप स्टेटस की सत्यता और उसमें किए गए दावों की भी जांच कर रही है, ताकि हत्या और आत्महत्या की वास्तविक वजह सामने आ सके।पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल संदेश, हथियार और मौके से मिले अन्य साक्ष्यों को जोड़कर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

**भइया हड़बड़ी में आए और...,किरायेदार ने बताया**

घटना के समय मानस के मकान के नीचे किराये की दुकान चलाने वाले लवकुश ने पूरी घटना के बारे में जानकारी दी। लवकुश ने बताया कि मानस की पत्नी पिछले तीन-चार महीने से वहां नहीं रह रही थीं। लवकुश के मुताबिक, मानस दोपहर में काफी हड़बड़ी में घर आया था। उसने उससे हालचाल पूछा। लवकुश ने कहा, भैया, बहुत परेशान हो, क्या बात है? बहुत पसीने में भीगे हो।

इस पर मानस ने कथित तौर पर कहा कि वह कार्यालय की परेशानी के कारण तनाव में है।

इसके बाद वह घर के अंदर चला गया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। लवकुश के मुताबिक, वह अक्सर घर में जाने के बाद दरवाजा बंद कर लेता था।

कुछ समय बाद लवकुश के एक दोस्त का फोन आया और उसने बताया कि मानस ने व्हाट्सऐप पर कोई गंभीर संदेश लगाया है। इसके बाद लवकुश ने अपना मोबाइल देखा और मानस को फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

इसी दौरान मानस के मामा का बेटा भी वहां पहुंच गया। सभी लोग परेशान होकर छत पर गए और मानस को आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद लोगों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का दृश्य देखकर सभी के होश उड़ गए। मानस और उसकी बहन दोनों मृत अवस्था में मिले।

**पत्नी मायके में रह रही थी, तलाक का मामला भी चल रहा था**

किरायेदार ने बताया कि मानस की पत्नी अपने मायके में रहती थीं और दोनों के बीच तलाक का मामला भी चल रहा था। मानस ऑडिट से जुड़ा काम करता था और इस वजह से अलग-अलग शाखाओं में जाता रहता था।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मानस ने पहले अपनी पत्नी को गोली मारी। इसके बाद घर पहुंचकर अपनी बहन को गोली मार दी और फिर खुद को गोली मार ली। घटनास्थल से कारतूस बरामद हुए हैं, जिन्हें पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

किस हथियार से किसे गोली मारी गई और वारदात में बरामद हथियारों की भूमिका क्या थी, इसकी भी जांच की जा रही है।

**स्थानीय लोगों को व्हाट्सऐप स्टेटस से हुई अनहोनी की आशंका**

स्थानीय निवासी अंकुर ने बताया कि उसकी मां ने उसे मानस का व्हाट्सऐप स्टेटस देखने के लिए कहा था। अंकुर के मुताबिक, जब उसने स्टेटस देखा तो उसमें मानस की पत्नी को लेकर गंभीर संदेश लिखा था।

इसके बाद वह तुरंत बाहर आया। उस समय किरायेदार दरवाजा खटखटा रहे थे, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिल रहा था। कुछ ही देर में मानस के मामा का बेटा भी वहां पहुंच गया। सभी लोगों ने मिलकर दरवाजा खोला तो अंदर मानस और उसकी बहन मृत पड़े थे।

**सीसीटीवी और डिजिटल साक्ष्यों पर पुलिस की नजर**

पुलिस इस पूरे मामले में बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग, घटनास्थल से मिले हथियार और कारतूस, मोबाइल फोन तथा व्हाट्सऐप संदेशों की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पत्नी की हत्या के बाद मानस घर तक कैसे पहुंचा और उसके बाद बहन की हत्या तथा आत्महत्या की घटना किस क्रम में हुई।

लखनऊ की इस सनसनीखेज वारदात ने पारिवारिक विवाद के भयावह अंत को सामने ला दिया है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर और हत्या के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

## कांग्रेसी सज्जन...

सज्जन कुमार वर्ष 1980, 1991 और 2004 में लोकसभा सांसद चुने गए। वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के छोटे भाई और कांग्रेस नेता संजय गांधी के करीबी नेताओं में माने जाते थे तथा बाहरी दिल्ली क्षेत्र में कांग्रेस के मजबूत चेहरों में शामिल रहे।

दशकों तक दिल्ली की राजनीति में सक्रिय रहने वाले सज्जन कुमार का राजनीतिक जीवन बाद में 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों के कारण विवादों में घिर गया।

**दोषसिद्धि के बाद कांग्रेस से दिया इस्तीफा**

1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद सज्जन कुमार ने वर्ष 2018 में कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

उन पर दंगों के दौरान भीड़ को भड़काने, हत्या और हिंसा में शामिल होने के आरोप लगे थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को पालम कॉलोनी मामले में उन्हें दोषी ठहराया था। इस मामले में पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को आग लगाए जाने का आरोप था। अदालत ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

**सरस्वती विहार मामले में भी मिली थी उम्रकैद**

फरवरी 2025 में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सरस्वती विहार मामले में भी सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। इस मामले में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुनदीप सिंह की हत्या से जुड़े आरोप थे। अदालत ने इस मामले में भी उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

हालांकि, सिख विरोधी दंगों से जुड़े कुछ अन्य मामलों, जिनमें सुल्तानपुरी और जनकपुरी-विकासपुरी के मामले शामिल थे, में सज्जन कुमार को बरी किया जा चुका था।

**तिहाड़ जेल में काट रहे थे सजा**

दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के बाद सज्जन कुमार तिहाड़ जेल में बंद थे। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाए जाने की जानकारी सामने आई है। सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सज्जन कुमार के निधन के साथ दिल्ली की राजनीति के एक ऐसे अध्याय का अंत हो गया, जिसमें उनका लंबा राजनीतिक सफर, कांग्रेस में उनका प्रभाव और 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े लंबे समय तक चले कानूनी मामले प्रमुख रूप से जुड़े रहे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# भारतीय स्टेट बैंक में राजभाषा संगोष्ठी–सह–कार्यशाला संपन्न

## बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सरकारी बैंकों व बीमा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने लिया भाग

**हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में राजभाषा संगोष्ठी–सह–कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हैदराबाद स्थित विभिन्न सरकारी बैंकों और बीमा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों तथा राजभाषा अधिकारियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री नीलेश द्विवेदी ने की। महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने सभी सहभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद स्थित उर्दू विश्वविद्यालय के परामर्शी श्री ऋषभदेव शर्मा उपस्थित रहे।

**विभिन्न विषयों पर हुए सत्र**

संगोष्ठी–सह–कार्यशाला के दौरान 'विकसित भारत में भाषा की भूमिका', 'व्यक्तित्व विकास एवं स्वास्थ्य', 'प्रभावी संप्रेषण' तथा 'सत्र संचालन और अभ्यास' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

इन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को राजभाषा के प्रभावी प्रयोग, व्यक्तित्व विकास, बेहतर संवाद एवं कार्यालयीन कार्यों में प्रभावी संप्रेषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

**अधिकारियों ने किया समन्वय**

कार्यक्रम का समन्वय भारतीय स्टेट बैंक के राजभाषा विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री अजय कुमार तिवारी, मुख्य प्रबंधक श्री वाई. प्रसन्न कुमार, श्री के. रवीन्द्र तथा सुश्री गिरिजा कुंबर ने किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को लेकर विचार साझा किए।

अंत में भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी श्री सुरजीत त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उनके धन्यवाद ज्ञापन के साथ राजभाषा संगोष्ठी–सह–कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

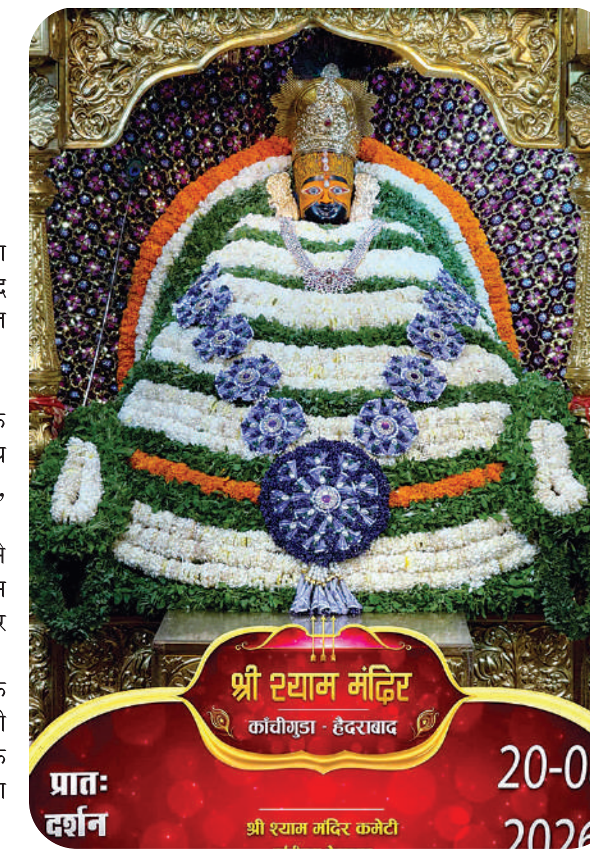


# टिफिन सेंटर में गैस सिलेंडर लीक से लगी आग

**नाश्ता तैयार करते समय हुआ गैस रिसाव, आग की लपटें उठते ही मची अफरा–तफरी, कोई हताहत नहीं**

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कीसरा इलाके में गुरुवार सुबह एक टिफिन सेंटर में गैस सिलेंडर लीक होने के बाद अचानक आग लग गई। घटना गुरुवार, सुबह करीब 7:30 बजे की है। जिस समय हादसा हुआ, उस समय टिफिन सेंटर में एक व्यक्ति नाश्ता तैयार कर रहा था। गैस रिसाव के बाद अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते सेंटर से तेज लपटें उठने लगीं।

अचानक आग लगने से टिफिन सेंटर में मौजूद लोगों में घबराहट फैल गई। आग की लपटें तेजी से बढ़ती देखकर वहां मौजूद लोग तत्काल बाहर निकल आए और अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थान की ओर भागे। आसपास के लोगों को भी घटना की जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।

घटना के बाद टिफिन सेंटर से काफी धुआं निकलने लगा। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में सेंटर को आग की लपटों से घिरा हुआ देखा जा सकता है। वीडियो में घटनास्थल के बाहर लोगों की भीड़ भी नजर आ रही है। आग की तीव्रता को देखते हुए कुछ समय के लिए आसपास के इलाके में भी अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

कीसरा पुलिस के अनुसार, गैस रिसाव सुबह करीब 7:30 बजे हुआ था। पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। समय रहते लोग टिफिन सेंटर से बाहर निकल गए, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

पुलिस ने यह भी बताया कि घटना के संबंध में फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस के मुताबिक, अभी तक किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इसलिए घटना को लेकर कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह गैस सिलेंडर से हुआ रिसाव है। हालांकि, गैस सिलेंडर से रिसाव किस कारण हुआ और आग से टिफिन सेंटर में कितनी संपत्ति का नुकसान हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में गैस सिलेंडरों की सुरक्षा को लेकर चिंता देखी गई। टिफिन सेंटर और छोटे भोजनालयों में रोजाना बड़े पैमाने पर गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल होता है। ऐसे में गैस रिसाव की छोटी–सी घटना भी बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

फिलहाल किसरा पुलिस के अनुसार हादसे में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है और किसी शिकायत के अभाव में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। आग लगने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आया।

# सेवा और सहयोग की भावना से राधे–राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्ट्रीट स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया।

राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है। ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने तथा अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धारशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, राजेश सर योगा, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं लता गोयल सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

# श्री बालवीर हनुमान मंदिर में आज भंडारा

**हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नामपल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर–1 स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में श्री श्री प्रभुदास जी महाराज के सानिध्य में एक सभा आयोजित की गई। सभा में महाराज जी के परम भक्त मुरलीधर व्यास ने बताया कि 21 अगस्त 2026 को साकेतवासी श्री श्री 108 संत जयरामदास जी महाराज की 30वीं स्मृति पुण्यतिथि मनाई जाएगी। इस अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

श्री प्रभुदास जी महाराज ने बताया कि 20 अगस्त की रात 9 बजे से भजन कार्यक्रम प्रारंभ होगा। इसके बाद 21 अगस्त को दोपहर में महिला भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 21 अगस्त की शाम 6 बजे से भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

महाराज जी ने सभी भक्तों से दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया।

संत जयरामदास जी महाराज की स्मृति में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर भक्तों में उत्साह है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से भजन कार्यक्रम एवं भंडारे में उपस्थित होकर संत महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करने और प्रसाद ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

सभा में रामदेव नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय (एस.के.), मुरलीधर व्यास, चैतन्य व्यास, पवन ओझा, मुकेश उपाध्याय तथा ओमप्रकाश पाण्डिया (मुलताई) सहित अन्य भक्त उपस्थित रहे।

# भूखों को भोजन, जरूरतमंदों को सहाराराधे–राधे ग्रुप की सेवा निरंतर जारी

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया गया।

राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सेवा के साथ समाज में मानवता, करुणा और सहयोग का संदेश दिया जा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न रहे और सेवा का यह क्रम निरंतर चलता रहे।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है। जरूरतमंदों की सेवा करने से समाज में आपसी सहयोग और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप इसी सेवा भावना के साथ नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

कार्यक्रम में नंद किशोर अग्रवाल, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता एवं सुरेश डालमिया सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

ग्रुप के सदस्यों ने समाज के सक्षम लोगों से भी आह्वान किया कि वे जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं और सेवा कार्यों में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सेवा और मानवता की भावना को और मजबूत किया जा सकता है।

**पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर गांधी भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव निर्मल कुमार यादव, सी.एच. विनोद सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रंजीत सिंह तथा करण सिंह सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।**

# मूसी नदी विकास परियोजना में प्रभावित लोगों को उचित मुआवजे का आश्वासन

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मूसी नदी तट विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी से गांधी सर–ोवर परियोजना से प्रभावित लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधियों ने परियोजना के लिए जमीन और घर खोने वाले प्रभावित परिवारों को खुले बाजार दर के आधार पर उचित मुआवजा देने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंध निदेशक के समक्ष प्रभावित लोगों की समस्याएं रखते हुए कहा कि मूसी नदी विकास एवं गांधी सरोवर परियोजना के कारण जिन लोगों की जमीन और मकान प्रभावित हो रहे हैं, उनके हितों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रबंध निदेशक नरसिम्हा रेड्डी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मूसी नदी विकास और गांधी सरोवर परियोजना से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मूसी नदी के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए जिन लोगों की जमीनें अधिग्रहित की जा रही हैं, उन्हें सरकार की ओर से उचित न्याय दिलाया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जमीन और मकान खोने वाले लोगों को वर्तमान खुले बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा दिया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को उचित राहत मिल सके। प्रबंध निदेशक ने आश्वासन दिया कि जिन लोगों की जमीनें परियोजना के लिए अधिग्रहित की जाएंगी, उन्हें नियमानुसार उचित मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने प्रभावित लोगों की समस्याओं पर सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिलाया।बताया गया कि मूसी नदी तट विकास परियोजना का पहला चरण गांधी सरोवर परियोजना है। परियोजना के तहत प्रभावित होने वाले लोगों के प्रतिनिधियों ने अपनी जमीन और मकान से जुड़े मुद्दों को अधिकारियों के समक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि परियोजना की प्रगति और भूमि अधिग्रहण से संबंधित जानकारी प्रभावित लोगों को पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों की ओर से परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक करने तथा प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा देने के आश्वासन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगें रखीं।

# हाईकोर्ट ने कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं पर राज्य के शपथपत्र में 'गंभीर त्रुटि' बताई

**हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक कल्याण योजनाओं के कानूनी आधार और संवैधानिक ढांचे पर सवाल उठाए। ये योजनाएं पात्र लाभार्थियों को विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थीं। न्यायमूर्ति नच्चराजू वेंकट श्रवण कुमार एडवोकेट विजय गोपाल द्वारा व्यक्तिगत रूप से दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता ने उन सरकारी आदेशों (जीओ) को चुनौती दी है, जिनके माध्यम से दोनों योजनाएं 2014 से शुरू और संशोधित की गईं। उन्होंने तर्क दिया कि कल्याण योजनाओं का निर्माण और पात्रता मानदंड तय करना मूल रूप से विधायी कार्य हैं और कार्यकारी आदेशों के माध्यम से शुरू की गई ये योजनाएं मनमानी हैं तथा संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के विपरीत हैं।

**आठ जीओ को चुनौती**

याचिका में अनुसूचित जाति विकास, अल्पसंख्यक कल्याण और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागों द्वारा सितंबर 2014 से जून 2019 के बीच जारी आठ जीओ को चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता मोहम्मद इमरान खान राज्य सरकार की ओर से उपस्थित हुए। पीठ ने कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन और उनसे उत्पन्न वित्तीय दायित्वों के विभिन्न पहलुओं पर राज्य से सवाल किए।

**अनुच्छेद 162 के गलत उल्लेख पर कोर्ट की आपत्ति**

कोर्ट ने याचिका के जवाब में राज्य द्वारा दायर शपथपत्र की भी जांच की। पीठ ने शपथपत्र में संविधान के अनुच्छेद 162 को जिस तरह से उद्धृत किया गया था, उस पर गंभीर आपत्ति जताई।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि प्रावधान सही ढंग से नहीं लिखा गया और पूछा कि राज्य सरकार की ओर से दायर शपथपत्र में संवैधानिक प्रावधान का गलत संस्करण कैसे शामिल हो सकता है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने गलती स्वीकार की और इसे टाइपिंग की गलती बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि गलती सुधारी जाएगी और नया शपथपत्र दायर किया जाएगा। हालांकि पीठ ने कहा कि यह गलती गंभीर है और ऐसे भौतिक त्रुटि वाले शपथपत्र के आधार पर मामले पर आगे विचार नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने यह भी पूछा कि जिस अधिकारी ने शपथपत्र दाखिल किया है, क्या वह सभी प्रतिवादियों की ओर से इसे दायर करने के लिए उचित रूप से अधिकृत था।

**'हम राज्य को वित्त प्रबंधन का निर्देश नहीं दे रहे'**

राज्य ने कहा कि सरकारी आदेश अनुच्छेद 162 के तहत राज्य की कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करते हुए जारी किए गए थे और सामाजिक न्याय के संवैधानिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कल्याणकारी उपाय लागू करने के उद्देश्य से थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह सरकार को अपने वित्त का प्रबंधन कैसे करना चाहिए, इसका निर्देश नहीं दे रहा। उसकी चिंता योजनाओं के कानूनी और संवैधानिक आधार तथा सार्वजनिक निधियों के आवंटन के तरीके से है।

**ऋण और राज्य के कुल कर्ज की जानकारी मांगी**

पीठ ने वित्त विभाग को राज्य की वित्तीय स्थिति बताते हुए शपथपत्र दायर करने का निर्देश दिया और पूछा कि क्या कल्याण योजनाओं को जारी रखने के लिए कोई ऋण लिया गया है। कोर्ट ने राज्य के कुल कर्ज का विवरण भी मांगा और कहा कि यह जानकारी उसके समक्ष मुद्दों के लिए प्रासंगिक है। कोर्ट ने राजकोषीय जिम्मेदारी से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख किया और पूछा कि क्या ऐसी योजनाओं पर व्यय पूरा करने के लिए उधार लिया जा सकता है।

**लाभों में देरी पर भी सवाल**

सुनवाई के दौरान पीठ ने विभिन्न कल्याणकारी और वैधानिक लाभों के भुगतान में देरी पर भी चिंता जताई। चर्चा में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित लोगों, कल्याण उपायों के लाभार्थियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों को लंबित भुगतान शामिल थे।

कोर्ट ने कहा कि जब वैधानिक या कल्याण लाभों के भुगतान न होने से जुड़े मामले उसके समक्ष आते हैं तो उसे प्रतिस्पर्धी दावों पर विचार कर संतुलन सुनिश्चित करना होता है, जबकि वित्तीय नीति के फैसले सरकार पर छोड़ दिए जाते हैं।

**'कोर्ट की सुनवाई को राजनीतिक तर्कों का मंच न बनाएं'**

एक चरण में पीठ ने पक्षकारों को चेतावनी दी कि वे अदालती कार्यवाही को राजनीतिक तर्कों का मंच न बनाएं।

कोर्ट ने कहा कि खुली अदालत में राजनीतिक बयान और आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए तथा न्यायिक कार्यवाही की गरिमा और पवित्रता बनाए रखनी चाहिए।

**'मामला नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा है'**

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्तमान कार्यवाही किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति से संबंधित नहीं है। उसके समक्ष मुद्दा नागरिकों के अधिकारों और कार्यकारी कार्रवाई की संवैधानिक सीमाओं से जुड़ा कानूनी मुद्दा है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने व्यापक जवाब और सुधारा हुआ शपथपत्र दायर करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने राज्य को आवश्यक वित्तीय विवरण और नया शपथपत्र रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई सोमवार, 24 अगस्त को होगी।

# विशाखापट्टनम स्कूल में टीचर के थप्पड़ से यूकेजी छात्र की मौत!

**विशाखापट्टनम, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** विशाखापट्टनम के वन टाउन इलाके में एक निजी स्कूल में टीचर से जुड़े कथित घटनाक्रम के बाद गुरुवार को छह वर्षीय बालक की मौत हो गई।

लिटिल गार्डन्स स्कूल के यूकेजी छात्र प्रणय तेजा को किंग जॉर्ज अस्पताल (केजीएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

**क्या हुआ था?**

परिवार के आरोपों के अनुसार, टीचर ने होमवर्क जांच के दौरान बच्चे को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने की कोशिश की और कथित तौर पर कक्षा में उसे थप्पड़ मारा।

परिवार का आरोप है कि शारीरिक हमले के कारण उसकी मौत हो गई।

**सीसीटीवी फुटेज में क्या दिखता है?**

कक्षा के सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर टीचर बच्चे को अपनी ओर खींचती और उसके कपड़े उतारने की कोशिश करती दिख रही है। यह होमवर्क न पूरा करने की सजा के रूप में बताया जा रहा है।

बच्चा रोता और इशारों से उसे रोकने की कोशिश करता दिख रहा है।

इसके बाद टीचर उससे बात करती नजर आती है और फिर उसके गाल पर थप्पड़ मारती है। कुछ पल बाद लड़का थोड़ी देर तक गतिहीन खड़ा रहता है और फिर टीचर पर गिर पड़ता है। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

**शारीरिक हमले के आरोप और परिवार का प्रदर्शन**

प्रणय तेजा के माता-पिता और रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि टीचर द्वारा शारीरिक हमला किए जाने के बाद बच्चे की मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि स्कूल के सीसीटीवी फुटेज में यह घटना कैद है और अधिकारियों से जांच के दौरान रिकॉर्डिंग्स की जांच करने की मांग की।

घटना से नाराज परिवार के सदस्यों और समर्थकों ने केजीएच में प्रदर्शन किया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही निजी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र की भी मांग की।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और मौत का सटीक कारण जानने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। अधिक जानकारी का इंतजार है।

# मोदी कैबिनेट फेरबदल में धमेन्द्र प्रधान की वापसी संभव!

**नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।** एनईईटी पेपर लीक को लेकर देशभर में हुए अभूतपूर्व छात्र आंदोलनों और शिक्षा व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने को मजबूर हुए भाजपा लोकसभा सांसद धमेन्द्र प्रधान अब फिर सत्ता में लौट सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम में संभावित फेरबदल की चर्चाओं के बीच अटकलें तेज हैं कि प्रधान को कैबिनेट में जगह दी जा सकती है। यह बात साफ हो गई कि पूर्व शिक्षा मंत्री सत्ताधारी दल के 'ब्लू-आइड बॉय' बने हुए हैं, जब इस्तीफे के बाद संसद पहुंचे तो भाजपा सांसदों ने उनका हीरो जैसा स्वागत किया।

भाजपा अध्यक्ष की नई टीम के बाद मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चा

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम की घोषणा के बाद, जिसमें कई नए चेहरे और कुछ वरिष्ठ नेता शामिल हैं, अटकलें तेज हो गई हैं कि मंत्रिपरिषद में भी नए चेहरे शामिल हो सकते हैं और कुछ विभागों का फेरबदल हो सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल एकमात्र ऐसे केंद्रीय मंत्री हैं जिन्हें भाजपा का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। छात्रों के भविष्य और राष्ट्रविरोधी ताकतों का हवाला देकर दिया था इस्तीफा

सीजेपी और उसके समर्थकों के भारी दबाव में, जिन्होंने पिछले महीने जंतर मंतर पर जमावड़ा किया था, धमेन्द्र प्रधान ने 25 जुलाई को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। उन्होंने कहा था कि उनका फैसला छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए है। उन्होंने यह भी कहा था कि कैबिनेट से इस्तीफा देने का फैसला इसलिए भी लिया गया ताकि 'राष्ट्रविरोधी ताकतें' देशव्यापी आंदोलनों का फायदा न उठा सकें। इस्तीफे के दो दिन बाद जब वे हाल ही में संपन्न मानसून सत्र में भाग लेने संसद पहुंचे तो पार्टी के सहयोगियों ने उन्हें औपचारिक टोपी पहनाई और अंदर तक एस्कॉर्ट किया।

महिला आरक्षण विधेयक के बाद महिलाओं और सहयोगी दलों को जगह मिलने की संभावना

भाजपा नीत एनडीए सरकार द्वारा महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित कराने के प्रयासों के बीच सत्ताधारी दल में चर्चा है कि कुछ और महिला नेताओं को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनडीए के कुछ सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों को भी फेरबदल के दौरान टीम मोदी में जगह मिल सकती है।

## एलबी नगर में तहसीलदार की काली कमाई पर एसीबी का शिकंजा

# 7 करोड़ की संपत्ति सामने आई, बाजार कीमत 100 करोड़ पार होने का दावा

**हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आय से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोपों ने एलबी नगर के तहसीलदार दासरी श्रीनिवास रेड्डी को एसीबी के घेरे में ला दिया है।

एसीबी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर गुरुवार को एक साथ सात ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। हस्तिनापुरम स्थित उनके आवास से लेकर कार्यालय और अन्य ठिकानों तक एसीबी की टीमें पहुंचीं और संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों तथा कीमती सामान की जांच शुरू की।

श्रीनिवास रेड्डी पहले इब्राहिमपट्टनम आरडीओ कार्यालय में डिविजनल एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारी के तौर पर काम कर चुके हैं। डीजी की अनुमति के बाद आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया। एसीबी की कार्रवाई के साथ ही अब उनकी वर्षों की कमाई और संपत्तियों के स्रोत पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

**आठ प्लॉट, 10 एकड़ से ज्यादा जमीन और आलीशान मकान**

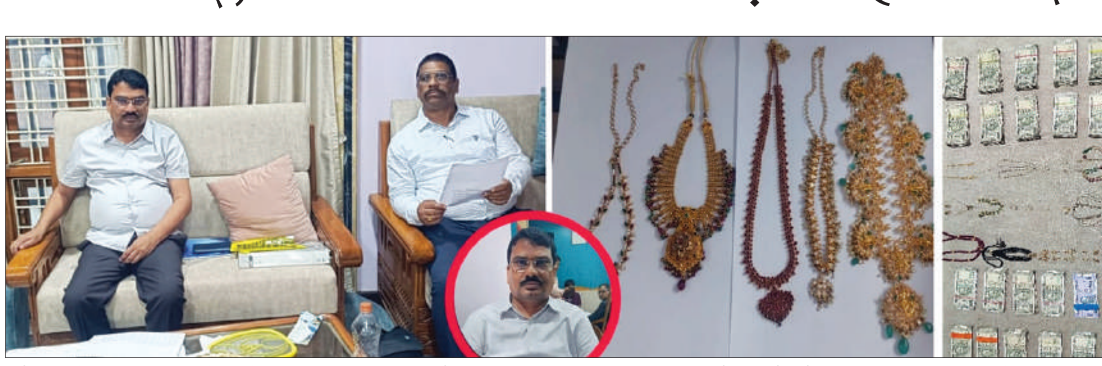

एसीबी की शुरुआती जांच में अब तक आठ खुले प्लॉट सामने आने की बात कही गई है। तुर्कयंजाल में तीन, यादगिरिगुट्टा में तीन, हस्तिनापुरम में एक और विश्वेश्वर नगर कॉलोनी में एक प्लॉट होने की जानकारी मिली है।

इतना ही नहीं, रंगारेड्डी जिले के एक मंडल में 10 एकड़ से अधिक कृषि भूमि, हस्तिनापुरम में तीन मंजिला मकान और हैदराबाद के बाहरी इलाकों में दो अन्य फ्लैट भी जांच के दायरे में आए हैं।

एसीबी की तलाशी में संपत्तियों के साथ सोने का भी बड़ा भंडार सामने आया है। घर और बैंक लॉकरों को मिलाकर डेढ़ किलो से अधिक सोने के आभूषण मिलने की जानकारी है। इसके अलावा श्रीनिवास रेड्डी के बेटे के नाम पर ग्लासमेट बार में करीब 86 लाख रुपये का निवेश भी एसीबी की जांच में सामने आया है।

घर में करीब 11 लाख रुपये के घरेलू सामान की जानकारी भी मिली है। एसीबी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी संपत्तियां और निवेश आखिर किन स्रोतों से जुटाए गए।

**सरकारी हिसाब 7 करोड़, बाजार में 100 करोड़ पार!**

एसीबी के प्रारंभिक आकलन में अब तक 7 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां सामने आई हैं। लेकिन खुले बाजार में इन संपत्तियों की कीमत 100 करोड़ रुपये से भी अधिक होने का दावा किया जा रहा है। अगर जांच में यह अंतर सही साबित होता है तो मामला और भी गंभीर हो सकता है।

**सिर्फ संपत्तियां गिनना काफी नहीं, कमाई का हिसाब भी देना होगा**

एसीबी अब सिर्फ जमीन-जायदाद और सोने की गिनती तक सीमित नहीं है। संपत्तियां कब खरीदी गईं, किसके नाम पर हैं, पैसा कहां से आया, निवेश किस स्रोत से हुआ और अधिकारी की वैध आय कितनी थीइन सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं।

फिलहाल एसीबी की कार्रवाई जारी है। आने वाले दिनों में और संपत्तियों, नकदी तथा निवेश का खुलासा होने की संभावना है।

जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि श्रीनिवास रेड्डी की घोषित आय और सामने आई संपत्तियों के बीच वास्तविक अंतर कितना है।

एसीबी अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी रिश्वत की मांग करे तो चुप न रहें। तत्काल एसीबी के टोल-फ्री नंबर 1064 पर शिकायत करें।

## *कारोबारी पर जानलेवा हमला*

# कोण्डा सुरेखा के पूर्व ओएसडी पर जानलेवा हमले का आरोप

### कारोबारी को अगवा कर लोहे की रॉड से पीटने का दावा, हाथ में फ्रैक्चर

### जीरो एफआईआर के बाद जुबली हिल्स पुलिस को मिली जांच के आदेश

**हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** देवदाय विभाग मंत्री कोण्डा सुरेखा के पूर्व ओएसडी नार्ला सुमंत के खिलाफ एक कारोबारी पर कथित रूप से जानलेवा हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मेडिपल्ली पुलिस थाने में 20 अगस्त को गोंगिडी हरिकृष्ण की शिकायत पर जीरो एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सुमंत ने अपने साथियों के साथ मिलकर कारोबारी पर लोहे की रॉड और डंडों से बेरहमी से हमला किया और जान से मारने की नीयत से पिटाई की। शिकायतकर्ता के अनुसार, 30 जुलाई को सुमंत ने उसे फोन कर मिलने के लिए कहा था। इसके बाद 20 अगस्त की रात करीब 9:45 बजे वह अपने परिचित किरण के साथ रामू के कार्यालय पहुंचा, जहां सुमंत और रामू मौजूद थे। आरोप है कि सुमंत ने उस पर अपने नाम का इस्तेमाल कर पैसे वसूलने का आरोप लगाया। हरिकृष्ण के इनकार करने पर कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू हुई और उस पर लोहे की रॉड से हाथ-पैरों पर हमला किया गया। इसी दौरान सुमंत के अन्य साथी भी वहां पहुंचे और शिकायत के अनुसार, सुमंत ने उन्हें भी हमला करने के लिए उकसाया। पीड़ित का दावा है कि हमले में उसके बाएं हाथ में फ्रैक्चर हुआ, शरीर से खून बहने लगा और उसे खून की उल्टियां भी हुईं। मौके पर पहुंचे दो पुलिसकर्मियों ने उसे जुबली हिल्स पुलिस थाने पहुंचाया, जहां से वह इलाज कराने के लिए चला गया। इसके बाद उसने गांधी अस्पताल, एसवीएस अस्पताल और फिर उप्पल स्थित श्री हेल्थ केयर अस्पताल में उपचार कराया। शिकायत में 10 अगस्त को ऑपरेशन होने की बात भी कही गई है। हरिकृष्ण ने पुलिस को बताया कि इलाज और आरोपी पक्ष के डर के कारण शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई।

शिकायत में सुमंत के अलावा प्रशांत, अरुण कुमार रेड्डी, कार्तिक, महेंद्र रेड्डी और रामू समेत अन्य लोगों के नाम लिए गए हैं। आरोप है कि सभी ने मिलकर कारोबारी पर हमला किया और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। मेडिपल्ली पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के साथ धारा 3(5) के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की और क्षेत्राधिकार के कारण केस को जुबली हिल्स पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया। अब मामले की जांच जुबली हिल्स पुलिस करेगी। पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल हमले की वास्तविक परिस्थितियों, आरोपियों की भूमिका और शिकायत में लगाए गए जानलेवा हमले के आरोपों की पुष्टि करना है। इसके लिए चिकित्सकीय रिपोर्ट, अस्पताल के दस्तावेज, घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान अहम सबूत साबित हो सकते हैं। फिलहाल शिकायतकर्ता के आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है ।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
E-mail: info@agrasenbank.bank.in Website: https://agrasenbank.bank.in
अग्रसेन बैंक
Estd.1998
(T.A. No. 1439)

NOTICE

Notice is hereby given that the Twenty Eighth Annual General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the Financial Year 2025-2026 will be held on Sunday, 6th September 2026, at K.L.N. Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.G. at 12:30 P.M. to transact the following items of the Agenda:

1. To consider and adopt the Twenty Eighth Annual Report along with Audited Statements of Accounts of the Bank for the financial year 2025-2026.
2. To approve appropriation of Net Profit and to declare dividend for the Financial Year ended 31-03-2026.
3. (i) To ratify the excess expenditure incurred over the budgeted during the financial year 2025-2026.
   (ii) To approve the revised Budget of Revenue & Capital Expenditure of the Bank for the financial year 2026-2027 and Revenue Budget for the financial year 2027-2028.
4. To authorize the Board to re-appoint Statutory Auditors and to hold office from the conclusion of this Annual General Meeting until conclusion of the next Annual General Meeting and to fix their remuneration.
5. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-02-2026 to 31-07-2026.
6. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-02-2026 to 31-07-2026.
7. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-02-2026 to 31-07-2026.
8. To review all overdue loans and loans covered under legal action as on 31-07-2026.
9. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the Annual General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above.

By order of the Board of Directors
Sd/-
C.V. Rao
General Manager / CEO

Place : Hyderabad
Date : 20-08-2026

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.